वर्ष 24, अंक 117, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 6 नवंबर 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'10 फीसदी आबादी का सेना में कंट्रोल'

राहुल गांधी के बयान पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का रिएक्शन

नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (05 नवंबर 2025) को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के सेना पर दिए बयान पर जवाब दिया. उन्होंने राहुल गांधी पर सशस्त्र बलों को राजनीति में घसीटने का आरोप लगाया. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि भारतीय सेना में देश की 10 फीसदी आबादी का कंट्रोल है.

'अराजकता फैलाना चाह रहे राहुल गांधी'

बिहार के जमुई में चुनाव प्रचार के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वह (राहुल गांधी) रक्षाबलों में आरक्षण की मांग कर-के देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा, सेना को राजनीति में न घसीटें. अब राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं. यह देश में अराजकता फैलाने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है. हमारी सेनाएं ऐसे मतभेदों से ऊपर हैं."

सेना में राजनीति न लाएं: राजनाथ सिंह

उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों के लिए केवल एक ही धर्म है, सैन्य धर्म. रक्षा मंत्री ने कहा, "आरक्षण होना चाहिए. हम आरक्षण का समर्थन करते हैं और इसे गरीबों को दिया है, लेकिन जब सेना की बात आती है तो हमारे सैनिक केवल एक ही धर्म, सैन्य धर्म का पालन करते हैं. इसके अलावा कोई दूसरा धर्म नहीं है. सेना में राजनीति न लाएं. जब भी देश पर संकट आया है, हमारे सैनिकों ने अपने साहस और पराक्रम से भारत को गौरवान्वित किया है."

सेना पर 10 फीसदी लोगों का कंट्रोल: राहुल गांधी

औरंगाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा था, "देश की 90 फीसदी आबादी दलित, महादलित, पिछड़ी, अति पिछड़ी या अल्पसंख्यक समुदायों से है. 500 सबसे बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालें तो आपको पिछड़े या दलित समुदायों का कोई भी व्यक्ति वहां नहीं मिलेगा. वे सभी शीर्ष 10 फीसदी से आते हैं. सभी नौकरियां उन्हीं के पास जाती हैं. सेना पर उन्हीं 10 फीसदी लोगों का कंट्रोल है।

'झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे'

हरियाणा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर हरियाणा में 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25 लाख वोटों की हेराफेरी की गई. राहुल गांधी ने इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का चुनाव परिणाम से दो दिन पहले का बयान भी दिखाया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी सरकार बना रही है, हमारे पास सभी व्यवस्थाएं हैं. अब इस पर सीएम सैनी की पहली प्रतिक्रिया आई है.

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में कहा, 'राहुल गांधी देश को गुमराह करने का काम कर रहे हैं. जिस तरह से कांग्रेस मुद्दा विहीन हो गई है, वे झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं.'

पंचकूला: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, "...राहुल गांधी देश को गुमराह करने का काम कर रहे हैं... जिस तरह से कांग्रेस मुद्दा विहीन हो गई है, वे झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं।"

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का एक वीडियो चलाया था, जिसमें उन्होंने मतगणना से दो दिन पहले कहा था कि बीजेपी जीतेगी और हमारे पास एक व्यवस्था है. कांग्रेस नेता ने कहा, 'महादेवपुरा और अलंद में चुनाव के बाद हमें शक हुआ कि यह सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र में नहीं हो रहा है, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है.'

राहुल गांधी ने 25 लाख वोटों की चोरी का लगाया आरोप

राहुल गांधी ने कई वोटर्स का ब्यौरा शेयर कर दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में पांच कैटेगरी- डुप्लीकेट मतदाता, अवैध पते, थोक मतदाता और अन्य साजिशों के तहत 25 लाख की वोटों की चोरी हुई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों ने सीखे हैं कई सबक: सीडीएस

नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों ने कई सबक सीखे हैं और इन्हें नियोजित थिएटराइजेशन मॉडल में शामिल करने की जरूरत है। रक्षा क्षेत्र के थिंक टैंक भारत शक्ति द्वारा आयोजित ह्यइंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव 2025ह्ल में एक संवाद सत्र के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मई में निर्णायक सैन्य अभियान के बाद, हमारे पास पाकिस्तान के कोने-कोने में आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) और युद्धक क्षमताएं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यही नयी सामान्य बात होगी। उनसे पूछा गया था कि सरकार द्वारा भारतीय सेना के लिए घोषित ह्यन्यू नॉर्मलह्ल का क्या अर्थ है। उन्होंने कहा, सशस्त्र बलों के लिए, यह हमारे लिए भी नयी सामान्य स्थिति में तब्दील होनी चाहिए। इसका मतलब होगा चौबीसों घंटे बेहतर अभियानगत तैयारी, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है। हमें अपनी वायु रक्षा, मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) से निपटने और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में बेहतर तैयारी करनी चाहिए। यह नयी सामान्य स्थिति होनी चाहिए क्योंकि हम इसी तरह के युद्ध की उम्मीद कर रहे हैं।

बिहार में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी मायावती की पार्टी बहुजन समाज पार्टी

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार मायावती की पार्टी बहुजन समाज पार्टी पिछड़ती जा रही है। ऐसे में मायावती ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक सक्रियता को बढ़ाया है। लगातार दलित वोट बैंक के छिटकने से परेशान बसपा अध्यक्ष ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरूकर दी है। इस

दौरान पार्टी ने सभी 243 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर दिया है। ऐसे सवाल उठता है कि क्या मायावती बिहार के राजनीति मैदान से अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर लॉन्च करने की तैयारी में हैं। वहीं एक अहम सवाल यह भी उठता है कि यूपी विधानसभा चुनाव में एक सीट पाने वाली बसपा क्या बिहार के दलित वोट बैंक को अपनी तरफ कर पाने में कामयाब होगी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार बसपा पिछड़ती जा रही है।

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं, 'भगवा-ए-हिंद' होगा- धीरेंद्र शास्त्री

उत्तरकाशी

आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की।

यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 7 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक चलेगी, जिसका मार्ग दिल्ली से वृंदावन होगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एक साथ लाना और सनातनियों को एकजुट करना है। इस दौरान, शास्त्री ने दृढ़ता से कहा कि इस देश में कोई 'तनातनी' नहीं होगा, सिर्फ 'सनातनी' होंगे।

उन्होंने अपने संबोधन में राजनीतिक और धार्मिक रूप से तीखे बयान भी दिए, जिसमें उन्होंने कहा, 'इस देश में कोई 'गजवा-ए-हिंद' नहीं होगा, सिर्फ 'भगवा-ए-हिंद' होगा।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया मुनाफा भी अपराध से अर्जित आय है : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश करके कमाए गए मुनाफे को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने रिश्वत की राशि से निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं हो जाता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, ह्यह्यधन शोधन एक सतत अपराध है, जो केवल अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है।ह्लह्ल पीठ ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई सरकारी अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती ।

2026 में जीतेंगे चुनाव, कोई रोक नहीं पाएगा- विजय

तमिलनाडु

सितंबर के आखिर में करूर में हुई दुखद भगदड़ के बाद, एक्टर विजय ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपनी तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी के सदस्यों को संबोधित करते हुए, उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में आ रही कठिनाइयों को 'कुछ समय के लिए' बताया और दृढ़ता से घोषणा की कि कोई भी उन्हें 2026 का चुनाव जीतने से नहीं रोक सकता। अपनी स्पीच में, विजय ने करूर की पिछली पब्लिक मीटिंग में दिए गए अपने बयान को दोहराया, जो भगदड़ से पहले हुई थी। उन्होंने

कहा, 'मैं वही दोहराऊंगा जो मैंने अपनी पिछली पब्लिक मीटिंग में कहा था। जब नेचर और भगवान हमारे साथ हों, जब हमारे अपने लोग हमारे साथ खड़े हों, तो हमें कौन रोक सकता है? ये सभी मुश्किलें बस कुछ समय के लिए हैं, चलो इन्हें तोड़ देते हैं। हमारा सफर रुकेगा नहीं। चलो कॉन्फिडेंट रहें, और अच्छी चीजें जरूर होंगी।'

एक्टर ने भगदड़ के बाद फैलाई गई 'बेमतलब' राजनीतिक बातों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'अपने परिवार के लोगों को खोने की वजह से मैं इतने दिनों से बहुत ज्यादा दर्द और परेशानी में था। ऐसे में, यह हमारा फर्ज है कि हम अपने लोगों की भावनाओं के साथ खड़े हों।' उन्होंने कहा, 'शांति और दुख के समय, बेमतलब की अफवाहें और बुरी पॉलिटिकल बातें फैलाई गईं और हम पर थोपी गईं। इन सबका मकसद कानून और सच्चाई को खत्म करना है। हालांकि, हम कानून और सच्चाई के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे, और इन झूठों को दूर करेंगे।'

किश्तवाड़ में फिर आतंकियों से लोहा ले रहे जवान

मुठभेड़ में एक सैनिक मामूली घायल

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। नायदगाम के कलाबन वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यआज सुबह जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ समन्वय में शुरू किए गए एक खुफिया आधारित अभियान में व्हाइट नाइट कोर के

सतर्क सैनिकों का छत्रू सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों से आमना-सामना हुआ। इसमें कहा गया, अभियान अभी जारी है। सुरक्षाबल कम से कम दो से तीन आतंकवादियों से जूझ रहे हैं और एक जवान के मामूली रूप से घायल होने की खबर है। किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबल आतंकवादियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप डोडा और उधमपुर जिलों की सीमा से लगे इस क्षेत्र में कई मुठभेड़ हुई हैं। पिछले सात महीनों में किश्तवाड़ में छह मुठभेड़ हुई हैं क्योंकि सुरक्षाबल इन पहाड़ियों में छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों की तलाश जारी रखे हुए हैं। छत्रू क्षेत्र में 21 सितंबर आतंकवादियों के एक समूह के साथ मुठभेड़ हुई थी। 13 सितंबर को छत्रू के नायडग्राम इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे जिनमें से एक जूनियर कमीशन अधिकारी था।

कार्तिक पूर्णिमा से लौट रही 6 महिलाओं की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

मिजार्पुर

उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर में चुनाव रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने ह्यपीटीआई-भाषाह्ल को बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री चौपन एक्सप्रेस ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। सिंह ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। रेलवे ने कहा कि चोपन एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद पटरी वाली ओर उतरने लगे। रेलवे ने एक बयान में कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिजार्पुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। राजकीय रेलवे पुलिस के निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की।

मृतकों की पहचान सविता (28), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और कलावती (50) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री और मिजार्पुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने ह्यएक्सह्ल पर एक संदेश में अपना दुख व्यक्त किया।

माफिया को सबक, गरीबों को छत!

योगी ने मुख्तार अंसारी की जमीन पर बनवाए घर, 72 फ्लैट गरीबों को सौंपे

उत्तर प्रदेश

अवैध जमीन कब्जे के खिलाफ एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया नेता मुख्तार अंसारी के कब्जे वाली जमीन पर बने 72 फ्लैटों की चाबियाँ सौंपीं। लखनऊ के पॉश हजरतगंज इलाके में डालीबाग के पास स्थित इस जमीन को जमीन हड़पने और संगठित अपराध के खिलाफ राज्य की जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत माफिया के अवैध कब्जे से जबरन मुक्त कराया गया।

योगी आदित्यनाथ ने बुधवार (5 नवंबर) को कहा, "माफिया को हटाया जाएगा और गरीबों के लिए घर बनाए जाएँगे।" उन्होंने जोर देकर कहा कि माफिया किसी का नहीं होता और हर गरीब का लगातार शोषण करता है। मुख्यमंत्री ने माफियाओं से जमीन वापस लेने और उन संसाधनों का इस्तेमाल वंचितों को आश्रय और अवसर प्रदान करने के लिए करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, जिससे यह कड़ा संदेश गया कि इस तरह का शोषण अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरदार वल्लभभाई पटेल आवास योजना के तहत निर्मित फ्लैट

सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना के तहत विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 72 फ्लैट विकसित किए गए हैं। प्रत्येक फ्लैट 36.65 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है और तीन-ब्लॉक संरचना में भूतल और तीन मंजिलों वाला है। यह फ्लैट, 20 मीटर चौड़ी, प्रमुख

बंधा रोड पर स्थित है और शहर के प्रमुख स्थानों जैसे बालू अड्डा, 1090 चौराहा, नरही, सिकंदरबाग और हजरतगंज चौराहा के बेहद करीब है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "मैं सौभाग्यशाली हूँ कि आज (कार्तिक पूर्णिमा) मैं एक कुख्यात माफिया के अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर बने आवासों के आवंटन के इस अवसर पर लखनऊ में उपस्थित हूँ..."।

लॉटरी और आवेदन प्रक्रिया

इन फ्लैटों का आवंटन मंगलवार (4 नवंबर) को लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया, जिसके बाद 4 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2025 तक ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया चली। लगभग 8,000 आवेदकों ने इन फ्लैटों के लिए पंजीकरण कराया, जिससे प्रमुख शहरों में किफायती आवास के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की बढ़ती मांग का पता चलता है।

कीमत और सुविधाएँ- प्रत्येक फ्लैट की कीमत 10.70 लाख रुपये रखी गई है, जो इतने प्रमुख क्षेत्र के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य से काफी कम है। आवासीय परिसर में स्वच्छ जल आपूर्ति, बिजली, पर्याप्त सुरक्षा, दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा और निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सड़कों और पार्कों जैसे बाहरी विकास सहित आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

ब्यक्ति का खुद की नजर में ईमानदार होना जरूरी : अजय पाल शर्मा

इफको में सतर्कता जागरूकता अभियान का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

इफको में सतर्कता जागरूकता अभियान के समापन पर उपस्थित मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते इकाई प्रमुख

फूलपुर। इफको में चल रहे सतर्कता जागरूकता अभियान का समापन मंगलवार को सामुदायिक केन्द्र में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज अजय पाल शर्मा ने कहा की किसी कार्य की सफलता में पादर्शिता आवश्यक है। इसलिए सर्वप्रथम खुद की नजर में ईमानदार होना जरूरी है। उन्होंने कहा की पूर्ण जानकारी के बिना आप सही निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। इसलिए पूर्ण जानकारी अवश्य साझा करें। विशिष्ट अतिथि एसपी विजिलेंस ज्ञानवती तिवारी ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपना दायित्व सही से निभाएं तो गलती होने की संभावना नहीं होगी। वहीं डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने कहा की इमानदारी हमारे व्यवहार में होना आवश्यक है। उन्होंने इफको स्थापना के 58 वर्ष पूर्ण होने पर इफको परिवार को शुभकामनाएं दी। साथ ही इफको में आयोजित प्रतियोगिता के प्रतिभागियों में अंश गौतम,दिव्यांश मिश्र,सृष्टि,आद्विका सूद,आरूषि मिश्र,अंजली यादव, आयूषी, आजिया फातिमा, श्रेयांश तिवारी,रिषु विश्वकर्मा को उपहार भेंटकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट जनों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इफको फूलपुर महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने कहा कि इस वर्ष का विषय सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है और सतर्कता का कार्य एक व्यक्ति की नहीं बल्कि सबकी जिम्मेदारी है। मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार मिश्र ने कहा कि हम सतर्कता जागरूकता अभियान मना रहे, लेकिन हमारा सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम वर्षभर चलता है। इस दौरान सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा एस.के.सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक उत्पादन संजय भंडारी ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः आर.पी.यादव, संदीप गोयल, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

वृहदारण्य उपनिषद् का अध्ययन मानव जीवन को इच्छारहित स्थिति की ओर ले जाता है : स्वामी अभेदानंद सरस्वती

प्रयागराज। चिन्मय मिशन प्रयागराज के तत्वावधान में बुधवार को श्री अमिलेश्वर महादेव मंदिर सभागार, रसूलाबाद घाट रोड (महर्षि पतंजलि विद्यालय के सामने) में वृहदारण्य उपनिषद् के मैलेयी प्राइझम पर पूज्य स्वामी अभेदानंद सरस्वती जी ने गहन प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि उपनिषद् ह्यइदम किया को प्रकट करने का एकमात्र साधन है, इसलिए इसे प्रमाण कहा गया है। प्रमाण अर्थात वह जो ह्यप्रभाह्ल अर्थात ज्ञान का प्रकाश उत्पन्न करे। उपनिषद् का यह ज्ञान शरणागत भाव से, श्रद्धा और शुश्रूषा पूर्वक ही ग्रहण किया जा सकता है। स्वामी जी ने कहा कि उपनिषद हमें भवसागर से पार कराने का मार्ग दिखाते हैं, अर्थात ह्लभवह्ल यानी बनने की इच्छा और इच्छाओं के सागर से मुक्त होकर इच्छारहित स्थिति में पहुंचाना ही आत्मविद्या का परम लक्ष्य है – यही मानव जीवन का सच्चा उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि इच्छाओं का उदय और उनकी पूर्ति हमेशा परिच्छिन्न (सीमित) अहं में ही होती है। यही सीमित अहं ह्यजीवह्ल कहलाता है और इस सीमितता की अनुभूति का कारण अविद्या है। अतः उपनिषद् हमारे अहं के प्रति अज्ञान को दूर कर आत्मज्ञान की ओर ले जाते हैं। चारों आश्रमों का विस्तृत विवेचन करते हुए पूज्य स्वामी अभेदानंद सरस्वती जी ने कहा कि गृहस्थ आश्रम में श्रद्धा, विनय और गुरु आज्ञा के पालन से कर्तव्यपरायणता तथा आदर्श जीवन के संस्कार विकसित होते हैं। ब्रह्मचर्य आश्रम व्यक्ति को संयम और सेवा का पाठ पढ़ाता है। वहीं गृहस्थ जीवन में कर्मयोग का पालन, कर्तव्यनिष्ठा और ईश्वर के प्रति प्रसन्नता का भाव मनुष्य की उन्नति का आधार बनता है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य कर्म को फल की आसक्ति से मुक्त होकर ईश्वरार्पण भाव से करता है, तब वह धीरे-धीरे आंतरिक शांति की ओर अग्रसर होता है। ऐसा जीवन जीने वाला व्यक्ति वानप्रस्थ आश्रम में उपासना और आत्ममंथन के योग्य बनता है। उस अवस्था में उसकी दृष्टि व्यापक और ईश्वरमय हो जाती है। जब यह दृष्टि पूर्णतः परिपक्व होती है, तब साधक अनुभव करता है कि ह्लसब कुछ ईश्वर ही है, वही अनंत हैह्व। यही अनुभूति अद्वैत ब्रह्म की प्राप्ति कहलाती है। स्वामी जी ने कहा कि उपनिषद हमें इस ब्रह्म सत्य का बोध कराते हैं कि ह्लजो कुछ भी है, वह उसी अनंत ब्रह्म से ही उत्पन्न हुआ है।ह्व जब साधक इस सत्य को अनुभव कर लेता है, तो उसके जीवन से भय, मोह और इच्छ समाप्त हो जाते हैं, और वही मुक्ति की स्थिति है।

न्यूज झरोखा

ट्रक की टक्कर बाइक सवार युवक की हुई मौत

करछना। थाना क्षेत्र के रैपुरा पुर गांव निवासी शीतला प्रसाद निषाद पुत्र राम किशुन उम्र 35 वर्ष अपनी पत्नी मूर्ति निषाद बेटी प्रियाशी उम्र डेढ़ वर्ष के साथ कंजासा मायके जा रहे थे जैसे ही रोकड़ी गांव के समीप सामने से आ रही अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जोरदार की टक्कर की आवाज से आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और आनंद आनंद में मोटरसाइकिल सवार घायल व्यक्ति को उसे प्राइवेट गाड़ी से नजदीक प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां हालत नाजुक बताई गई जिसके बाद सीएससी करछना उसे ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना के बाद साथ में पत्नी व बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है सूचना परिजनों को दी गई मौके पर परिजन पहुंचे इसके बाद पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया शीतला प्रसाद निषाद की तीन बेटियां हैं दो बेटियां रिया 9 वर्ष प्रिया 7 वर्ष ननिहाल शीतला प्रसाद निषाद पांच भाइयों में दुसरे नम्बर का था पहले सुरेन्द्र निषाद , सोनू निषाद पंचम निषाद , पंडा निषाद शीतल निषाद जो की रायपुर में रोलिंग फैक्ट्री में काम करते थे।

जंघई निवासी सोनू सिंह का आकस्मिक निधन, परिजनों में कोहराम

जंघई। स्व. शोभनाथ सिंह जंघई डीह के चार पुत्रों में सबसे छोटे पुत्र धर्मेंद्र प्रताप सिंह सोनू उम्र 32 वर्ष का इलाज के दौरान निधन हो गया है। सोनू सिंह तबियत खराब चल रही थी और प्रयागराज में इलाज चल रहा था, इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया सोनू के निधन से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सोनू सिंह के निधन पर मां एवं बड़े पिता भुजारी सिंह, बड़े भाई राकेश प्रताप सिंह राजू, विजय प्रताप सिंह पप्पू, राजेश प्रताप सिंह, महेश प्रताप सिंह मोनू, भतीजा विवेक कुमार सिंह शुभम, कुनाल सिंह, निहाल सिंह एवं जंघई बाजार निवासियों एवं क्षेत्र के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया है।

मोहम्मद यासीन इंटर कॉलेज के संस्थापक का निधन

मांडा। मोहम्मद यासीन इंटर कॉलेज के संस्थापक मोहम्मद यासीन का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर मिलते ही कॉलेज के अध्यापकों और छात्र-छात्राओं में शोक की लहर दौड़ गई। यह जानकारी मांडा, कवलपुर, राजापुर और भारतगंज क्षेत्र में फैल गई। वे मोहम्मद यासीन इंटर कॉलेज, कवलपुर, राजापुर, भारतगंज के वर्तमान प्रबंधक मैनुद्दीन अंसारी और प्रधानाचार्य अमीरुद्दीन अंसारी के पिता थे। मोहम्मद यासीन मूल रूप से उरुवा ब्लॉक के कोटहा गांव के निवासी थे और उन्होंने अपने गांव के प्रधान के रूप में भी सेवा दी थी। अपने सामाजिक जीवन और मृदुभाषी स्वभाव के कारण मोहम्मद यासीन का कस्बा भारतगंज के लोगों से गहरा जुड़ाव था। उनके निधन की सूचना पर भारतगंज के अलावा अन्य क्षेत्रों के लोगों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

बृज किशोर के निधन से क्षेत्र में शोक

प्रयागराज। क्षेत्र के पनासा, भीरपुर निवासी बृजकिशोर पांडे उर्फ नन्हें पांडे (46) के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राज हार्डवेयर भीरपुर स्थित उनके आवास पर आयोजित शोकसभा में लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। अपने पांच भाइयों में चौथे नन्हें पांडे अपने पीछे पत्नी, बच्चे और भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। उनकी मिलनसारिता, हंसमुख स्वभाव और सरल व्यवहार की प्रशंसा करते हुए उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में सुरेश चंद्र पांडे, राजेश पांडे, विनय प्रताप सिंह, धीरज सिंह, शुभम पांडे, धीरेंद्र कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कौंधियारा के पिपरहटा में युवक ने टोंस नदी में कूदकर दी जान

तनाव में उठाया दर्दनाक कदम, गांव में छाया मातम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के कौंधियारा थाना अंतर्गत पिपरहटा गांव में बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के एक युवक ने टोंस नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। यह खबर फैलते ही पूरे गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान पिपरहटा गांव निवासी शेषमणि यादव (21 वर्ष) पुत्र दशरथ यादव के रूप में हुई है, जो स्थानीय बाजार में दूध डेयरी पर काम करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह अपने साथी दीपक कुमार पुत्र गुलाब यादव के साथ शौच के लिए नदी किनारे गया था। कुछ देर बाद दीपक घर लौट आया, लेकिन शेषमणि वापस नहीं लौटा। बाद में लोगों ने घाट के पास उसकी चप्पल और रुमाल पड़े देखे। इसी बीच नाविकों ने बताया कि उन्होंने एक युवक को नदी में छलांग लगाते देखा था।

यह सुनते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन, ग्रामीण और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे। करीब साढ़े पांच घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय मल्लाहों और गोताखोरों की मदद से युवक का शव बरामद किया गया। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव का माहौल शोकाकुल हो उठा।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से बेहद तनाव में चल रहा था। उसका गांव की ही एक युवती से संबंध था, जो कुछ दिन पहले तक उसके घर पर रही थी। इस बात को लेकर परिवार में तनाव बढ़ गया था। बताया जा रहा है कि युवती युवक पर शादी का दबाव बना रही थी, जबकि परिजन इसके खिलाफ थे। यही विवाद शेषमणि की मानसिक स्थिति पर भारी पड़ा और उसने यह दर्दनाक कदम उठा लिया।

जानकारी के मुताबिक, युवती पक्ष ने घटना से एक दिन पहले ही कौंधियारा थाने में लिखित तहरीर दी थी। पुलिस दोनों पक्षों के बीच विवाद की जांच कर रही थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले समझाने का प्रयास किया, क्योंकि परिजन पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रहे थे। बाद में अधिकारियों के समझाने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने घटना में जुड़े तथ्यों की पुष्टि के लिए युवती को मृतक के घर से हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इस घटना ने पूरे कौंधियारा क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। गांव में हर कोई इस दर्दनाक मौत को लेकर स्तब्ध है।

नैनी में सम्मानित किए गए संजय श्रीवास्तव

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी क्षेत्र में सम्मानित किए गए संजय श्रीवास्तव समाज में जन जागरण अभियान को प्रचार प्रसार करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता समाज सेवक पूरा फतेह मोहम्मद नैनी निवासी शाहनवाज खान के द्वारा समाज सेवक पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव को सम्मानित करते हुए शाहनवाज खान ने साइकिल प्रदान किया। शाहनवाज खान ने कहा कि संजय श्रीवास्तव की प्रत्येक दिन स्वच्छता अभियान गंगा जी की साफ सफाई वृक्षारोपण कार्य समाज में गरीबों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले संजय श्रीवास्तव का में सम्मान कर रहा हूं मुझे गर्व है। इस अवसर पर पार्षद मयंक यादव, मानस रामलीला समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र यादव उर्फ धीरू, आनंद जायसवाल, अनूप सरकार, नीरज शर्मा, उमेश सेन, बाबूजी यादव, दिलीप कुमार मिश्रा, कार्यकर्ता मौजूद थे।

करछना में खंड स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 7 नवंबर से

प्रयागराज। संगम सभागार कलेक्ट्रेट में हुई खेल कार्यकारिणी समिति की बैठक के निदेर्शानुसार खंड स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 7 नवंबर को सुबह 9 बजे से मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज, करछना में होगा। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कबड्डी और बैडमिंटन सहित आठ खेल विधाओं में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाएं भाग लेंगे। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से प्रतियोगिता का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।उक्त जानकारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी संतोष सिंह ने दी है।

बेमौसम बारिश से धान की फसल तबाह

मांडा के दक्षिणाँचल सहित कई गांवों में भारी नुकसान

प्रदीप कुमार

मांडा। क्षेत्र में बेमौसम बारिश और तेज हवा के कारण धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। खेतों और खलिहानों में पानी भर जाने से किसानों की पूरी मेहनत बर्बाद हो गई है, जिससे उनमें गहरी चिंता व्याप्त है।

लगातार बारिश के चलते धान के खेत जलमग्न हो गए हैं और फसलें गिरकर पानी में डूब गई हैं। इससे धान अंकुरित होने लगा है और उसके सड़ने की आशंका बढ़ गई है। खलिहानों में रखे धान के गट्ठे भीग गए हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है।

इस बार धान की फसल के साथ-साथ पशुओं के चारे के लिए पुआल (पराली) का भी संकट पैदा हो गया है। बारिश बंद होने के बाद भी पानी भरे खेतों में भीगे धान के सड़ने और पुआल के नष्ट होने की संभावना है, जिससे पालतू पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता पर गंभीर असर पड़ेगा।

मांडा क्षेत्र के किसानों का कहना है कि प्रकृति ने उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया है। दक्षिणी पहाड़ी भाग के उपरौध क्षेत्र के मझिगवां, बदौआ, दोहथा, पियरी, सोनबरसा, पूरा पांडेय, परोहनी, परसीधी, कुरहरा, कुशलपुर, ऊंचडीह उपरौध, मैहा जागीर, हाटा, दसवार, शिवराजपुर, शुकुलपुर, बनवारी खास जैसे कई गांवों में बारिश के कारण धान की कटाई और थ्रेसिंग का काम रुक गया है।उपरौध क्षेत्र के अलावा खवास का तारा, गिरधरपुर, बेलहा, सिकरा, भवानीपुर जैसे गांवों में भी किसानों की अच्छी उपज की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। विकास खंड मांडा क्षेत्र के जयशंकर पांडेय, विजय शंकर, राम लखन कुशवाहा, राम जी मिश्रा, गौरी शंकर, राजमणि पाल, लक्ष्मी शंकर, शिव शंकर तिवारी, नेब्बू लाल पटेल, दिनेश पटेल, अनिल पटेल, राकेश पटेल, नीरज विश्वकर्मा, लालचंद, पुष्पराज, गोकुल प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद, राम कुमार गौड़ और राम लाल सहित कई किसान इस आपदा से प्रभावित हुए हैं।

साहिब श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव आस्था, श्रद्धा से मनाया गया

अलोपीबाग गुरुद्वारा बेहतरीन फूलों,पुष्पगुच्छ से आकर्षक ढंग से दीवान सजाया गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अलोपीबाग गुरुद्वारा में सिखों के पहले गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया प्रकाश उत्सव की खुशियां चारों दिशा में छाई रही श्री अखंड पाठ साहिब के समापन के बाद गुरुद्वारा गुरबाणी से सराबोर हो रहा था श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आगे संगतो का मत्था टेककर आशीर्वाद लेने वालों का सिलसिला बराबर चलता रहा' अलोपीबाग गुरुद्वारा फूलों से आकर्षक दीवान सजाया गया संगत द्वारा श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव का कई दिनों से प्रभात फेरी, श्री अखंड पाठ साहिब का आयोजन किया जा रहा था रागी जत्थों ने शब्द-कीर्तन सुना कर संगत को निहाल किया गुरुद्वारे में गुरु नाम की गूंज होती रही गुरु का आशीष सहेजने के लिए लोगों ने जुड़कर माथा टेका गुरुद्वारे में हाजिरी लगाने व सेवा-सत्कार प्रातः काल से देर रात तक चलती रहा। गुरुद्वारा प्रधान परमजीत सिंह बग्गा ने श्री गुरु नानक देव के जीवन इतिहास से संगत को अवगत कराते हुए श्री गुरु नानक देव जी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया करते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशपर्व पर गुरु नानक वाणी के आगे नतमस्तक होने का अर्थ है भारतीय चिंतन, दर्शन, इतिहास और आध्यात्मिक आस्था के साथ सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन मूल्यों के प्रति अपने जीवन को समर्पित करना। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने संगत को कहा कि जल का संचय करें, जल स्वच्छ रखें, कन्या भ्रूण हत्या न करने, शिक्षा और चिकित्सा का विशेष लंगर लगाने का आह्वान किया जिससे गरीब,मजलूम एवं आम आदमी का भला हो सके। कथा, कीर्तन इतिहास, व्याख्यान, आरती अरदास, हुकमनामा के बाद गुरु का अटूट लंगर चलाया गया जिसमें सभी संप्रदाय के लोगों ने बिना किसी भेदभाव के एक पंक्ति में बैठकर गुरु का लंगर छका दिन भर विभिन्न जाति व धर्म के लोगों ने गुरुद्वारा पहुंचकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आगे मत्था टेक का आशीर्वाद लिया। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, क्षेत्रीय विधायक ई.हर्षवर्धन बाजपेई,राजेंद्र मिश्रा ने गुरु चरणों में माथा टेकर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रकाश उत्सव में गुरुदीप सिंह सरना, परमजीत सिंह, सरदार पतविंदर सिंह, कुलदीप सिंह बग्गा, परमिंदर सिंह,मनु चावला, बलजीत सिंह, लखविंदर सिंह, राजेंद्र सिंह ग्रोवर, गुरबख्श सिंह, जसवीर सिंह, मनप्रीत कौर, हरजीत सिंह कथुरिया, त्रिलोचन सिंह बग्गा, मनजीत सिंह खालसा, सतेंद्र सिंह पूरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होकर तन मन धन से सेवा की बड़ी संख्या में सेवादार मौजूद रहे।

हाटा क्षेत्र के बदौआ में बांस बल्ली के सहारे रोशनी क्षेत्र में बदहाल व्यवस्था से लोग परेशान

अखंड भारत संदेश

मांडा। हाटा क्षेत्र के बदौआ गांव में बिजली व्यवस्था की लापरवाही एक गंभीर समस्या बन गई है। स्थानीय निवासियों को बिजली कनेक्शन होने के बावजूद अपने घरों में रोशनी के लिए अस्थायी साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। क्षेत्र के कचनी प्रजापति, वेद प्रजापति, मैनुद्दीन, भोला, नंदू गौंड, जंग बहादुर गौंड, हाकिम और राजन प्रजापति सहित कई लोगों ने बताया कि रात के समय उनके घरों में अंधेरा रहता है। उन्हें बांस-बल्ली, मोबाइल टॉर्च और अन्य वैकल्पिक साधनों से काम चलाना पड़ता है।

क्षेत्रवासियों ने इस समस्या को लेकर नगर पालिका सभासद अमित मणि से शिकायत की थी। सभासद ने उन्हें जल्द ही बिजली की समस्या दूर करने और बिजली के खंभों व लाइनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया था।

आश्वासन हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई कार्य नहीं हुआ है। इससे जनता में भारी नाराजगी और रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बाद भी अधिकारी और जनप्रतिनिधि समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं।

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे। नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है।

देव दीपावली के भव्य एवं दिव्य ज्योत से जगमग हुआ संगम नगरी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला प्रशासन एवं प्रयागराज मेला प्राधिकरण के द्वारा कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को संगम क्षेत्र में देव दीपावली पावन पर्व का भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगम नोज सहित अन्य घाटों पर लगभग 10 लाख दीए जलाए गए। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सभी माननीय अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया गया। देव दीपावली के अवसर पर सैंण्डआर्ट, गंगा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आतिशबाजी का आयोजन किया गया। देव दीपावली के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह, न्यायमूर्ति नीरज तिवारी, न्यायमूर्ति बृज राज सिंह, न्यायमूर्ति अनिश कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला, न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुवेर्दी, माननीय विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, एडीजी जोन संजीव गुप्ता, आईजी अजय कुमार मिश्र, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ अजय पाल शर्मा, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां त्रिवेणी की भव्य रूप से आरती की गयी एवं तत्पश्चात दीप दान किया गया। देव दीपावली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी तय की गयी थी, उसी के अनुरूप विभागों के द्वारा व्यवस्थायें की गयी थी। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के लिए प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समुचित व्यवस्था की गयी थी। इस अवसर पर सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बहुत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रंजना त्रिपाठी ने किया।

देव दीपावली पर यमुना तट पर खिला रंगों का संगम

शिक्षिकाओं की रंगोली बनी आकर्षण का केंद्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। देव दीपावली के पावन अवसर पर बुधवार को यमुना तट पर रंगों का अद्भुत संगम देखने को मिला। कौंधियारा ब्लॉक की शिक्षिकाओं ने अपनी सृजनशीलता का परिचय देते हुए ऐसी आकर्षक रंगोली सजाई, जिसने कार्यक्रम में पहुंचे हर व्यक्ति का मन मोह लिया।

रंगोली में दीप, फूलों और आध्यात्मिक प्रतीकों के माध्यम से देव दीपावली के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संदेश को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया गया। इस कलात्मक प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्ति और सौंदर्य से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में पहुंचे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार अवस्थी ने शिक्षिकाओं की कला और सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी सृजनात्मक पहलें शिक्षकों की संवेदनशीलता और समाज से उनके गहरे जुड़ाव को दशार्ती हैं। रंगोली निर्माण में दुर्गेश कुमार मिश्र, ममता कनौजिया, शालिनी, गीता रानी, वृन्दा, रिचा मोहिनी, रश्मि कटियार, शिप्रा राव, अंजू खेड़ा, रामबाबू पटेल और आलोक सिंह सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी सहभागिता निभाई।

यूपी बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम जारी, 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेंगी परीक्षाएं

कुल 52 लाख से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल, दो पालियों में आयोजित होंगी परीक्षाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने बुधवार की शाम वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड सचिव भगवती सिंह के अनुसार, यूपी बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक संपन्न होगी। परीक्षाएं पूर्ववत दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 से शाम 5:15 बजे तक होगी। इस बार यूपी बोर्ड की दोनों परीक्षाएं कुल 15 कार्य दिवसों में पूरी कराई जाएंगी। हाईस्कूल की परीक्षा 18 फरवरी को हिंदी विषय से शुरू होकर 12 मार्च को कृषि विषय की परीक्षा के साथ समाप्त होगी। वहीं इंटरमीडिएट की परीक्षा भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी से आरंभ होकर 12 मार्च को कंप्यूटर विषय की परीक्षा के साथ संपन्न होगी। बोर्ड ने इस बार विद्यार्थियों को विषयों के बीच पर्याप्त तैयारी का अंतराल देने का निर्णय लिया है ताकि वे बेहतर ढंग से परीक्षा दे सकें। बोर्ड ने प्रायोगिक परीक्षाओं (प्रैक्टिकल्स) के आयोजन के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 19 फरवरी को हाईस्कूल के विद्यार्थियों की कंप्यूटर और सिलाई की परीक्षा होगी, जबकि इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के व्यावसायिक विषयों की परीक्षा भी इसी दिन होगी। इसके अगले दिन यानी 20 फरवरी को इंटर के लिए अंग्रेजी और संस्कृत की परीक्षाएं निर्धारित की गई हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के अनुसार, इस बार यूपी बोर्ड परीक्षा में कुल 52,30,297 विद्यार्थी पंजीकृत हुए हैं। इनमें हाईस्कूल में 27,50,945 विद्यार्थी (बालक 14,38,682 और बालिका 13,12,263) तथा इंटरमीडिएट में 24,79,352 विद्यार्थी (बालक 13,03,012 और बालिका 11,76,340) शामिल हैं। बोर्ड सचिव ने बताया कि सभी विद्यालयों को समय से तैयारी पूरी करने और परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षाएं निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ आयोजित की जाएंगी। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए भी विस्तृत योजना तैयार की जा रही है, जिससे निर्धारित समय सीमा के भीतर परिणाम घोषित किए जा सकें।

न्यूज झरोखा

भूमि विवाद में चले लाठी डंडे पिता पुत्र घायल, गांव में तनाव

प्रयागराज । सरायममरेज थाना क्षेत्र के नासिरपट्टी गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे चले, जिसमें एक ही परिवार के पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अनिल कुमार यादव का अपने सगे रिश्तेदारों शिवधर यादव, अनिल यादव और सुशील यादव से जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। ताजा विवाद में, कथित तौर पर आरोपी पक्ष ने अनिल कुमार को गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उन पर लाठी-डंडों और लात-घूसों से हमला किया गया। जब अनिल के पिता हरिश्चन्द्र यादव बीच-बचाव करने आए, तो उन पर भी आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। दोनों पिता-पुत्र को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। घटना की सूचना तत्काल सरायममरेज थाना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। घायल अनिल कुमार ने थाना सरायममरेज में शिवधर यादव, अनिल यादव और सुशील यादव के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्य के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद में दलित महिला को मारा पीटा गया एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जमीनी विवाद को लेकर दलित महिला को विपक्षियो ने जाति सूचक गालिया देते हुए लाठी डंडो से मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी गई।दलित महिला की तहरीर पर पुलिस ने चार के खिलाफ एस सी एस टी सहित विभिन धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के किरांव गांव निवासनीय तारा देवी पत्नी स्वर्गीय राजेश कुमार सरोज का आरोप है कि गांव के कुछ दबंगों ने से उसका खेत से विवाद चल रहा है।तारा देवी का आरोप है कि वह विवादित खेत पर गयी थी। जहां विपक्षी उसे मारे पीटे और जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिए। तारा देवी का आरोप है कि विपक्षी काफी दबंग हैं।तारा देवी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर अबरार, शोएब,फैसल सभी निवासीगण किरांव तथा अब्दुल्ला निवासी रिशालगढ थाना रानीगंज प्रतापगढ़ के खिलाफ मार पीट जान से मारने और एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की जांच कर रही है।

दुर्गावती स्कूल में कल से शुभारंभ होगा भव्य श्रीमद भागवत कथा पाठ कार्यक्रम

स्कूल के चेयरमैन सुशील मिश्रा और प्रबंधक श्रीमती स्वतंत्र मिश्रा कार्यक्रम के होंगे मुख्य आयोजक

मेजा। क्षेत्र के दुर्गावती इण्टरनेशनल स्कूल एण्ड कालेज गोशौरा कला के प्रांगण में 7 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक विशाल एवं भव्य भागवत कथा का आयोजन किया गया है जिसमें कथा व्यास के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक जगत गुरू रामानुजाचार्य श्री राघवाचार्य जी महाराज अयोध्या होंगे। कार्यक्रम के मुख्य यजमान शुक्लपुर निवासी पं० इन्द्रमणि मिश्रा एवं श्रीमती दुर्गावती मिश्रा होंगी। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। भागवत कथा हेतु पक्के मंच का निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कथा के दौरान कथा वाचक महाराज एवं उनके शिष्यों के रहने हेतु प्रांगण में नये भवन का निर्माण कराया गया है। रंग-रोगन का कार्य भी पूरा हो चुका है। टेंट, तम्बू, कनात, लाइट, साउण्ड की व्यवस्थाओं का परीक्षण चल रहा है। कथा के दौरान प्रांगण में लगभग 25 हजार लोगों के बैठने की व्यापक व्यवस्था की गई है। श्रोताओं के चाय-पान एवं बाहरी श्रोताओं के रूकने एवं भोजन के प्रबन्ध भी किये गए हैं। कथा के संयोजक भाजपा नेता सुशील मिश्र ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में 25 हजार अतिथियों को आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है। उन्होंने इस पावन अवसर पर क्षेत्र के सभी श्रद्धालु भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने और पुण्य लाभ लेकर जीवन को धन्य बनाने की अपील किया है।

भाजपा युवा नेता राहुल मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने टौंस नदी के तट पर जलाए 11 हजार दिए

मेजा के बलुहा टौंस नदी के किनारे भव्य तरीके से लोगों ने मनाया देव दीपावली का पर्व

अखंड भारत संदेश

टौंस नदी के तट पर दिए जलाकर देव दीपावली का पर्व मनाते लोग

मेजा। भाजपा युवा प्रकोष्ठ के जिला मंत्री राहुल मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार को देव दीपावली पर्व के अवसर पर टौंस नदी के तट पर ग्यारह हजार दिए जलाए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने घाट पर आतिशबाजी भी किया और काफी उत्साह एवं उमंग के साथ भव्य तरीके से देव दीपावली का पर्व मनाया। इस मौके रमाशंकर निषाद, पूर्व प्रधान समहन सुरेंद्र निषाद, वीरेंद्र निषाद तथा अमित कुमार आदि के अलावा सैकड़ों लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अरैल घाट पर देव दीपावली पर 51 हजार दीपों से जगमगाया सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुरक्षा के लिए ड्रोन निगरानी

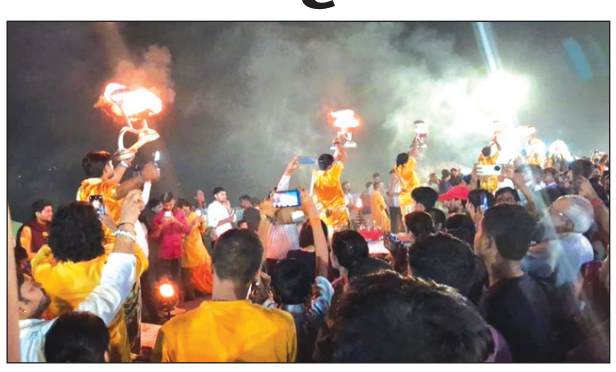

अरैल घाट देव दीपावली पर आरती करते ब्रह्मचारी बाबा भैरव महाराज

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी क्षेत्र के अरैल घाट सेल्फी प्वाइंट पर कार्तिक पूर्णिमा पर्व और देव दीपावली पर्व के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे अरैल घाट सेल्फी प्वाइंट को 51 हजार दीपों से सजाया गया। घाट को सुंदर आकर्षक झालरों से रोशन किया गया। देव दीपावली पर मां यमुना की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर भव्य आरती की गई। नगर निगम प्रयागराज इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बाद जमकर आतिशबाजी हुई। घाट पर पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए गए। घाट पर मौजूद भीड़ की निगरानी ड्रोन से किया गया। नैनी के अरैल घाट और सेल्फी प्वाइंट पर रंग-बिरंगे रंगों से सुंदर रंगोलिया सजाई गई रंगोलिया में देव दीपावली का चित्र प्रदर्शित किया गया। रंगोलियो को बनाने के लिए नैनी के विद्यालयों के बच्चों को बुलाया गया, जिन्होंने अपनी कलाकारी से रंगोली को भव्य और सुंदर रूप देने का काम किया। देव दीपावली पर्व को लेकर कमिश्वरेट प्रयागराज ने निर्देश जारी करते हुए कहा था कि घाट पर विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं, साथ ही आने वाली भीड़ को ड्रोन की मदद से निगरानी की जाए। इसके साथ-साथ एसीपी सुरक्षा व्यवस्था को देखते रहे। जिसको लेकर एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी, नैनी इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम फोसर्स के साथ सेल्फी पॉइंट पर मौजूद रहे।

साथी की हत्या को लेकर वकीलों का आक्रोश बढ़ा नारेबाजी कर कामकाज का किया बहिष्कार

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन भेजवाकर एसआईटी गठन की उठाई आवाज

अखंड भारत संदेश

लालगंज। तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता की जघन्य हत्या तथा जानलेवा हमले मे दो अन्य अधिवक्ताओं के घायल होने को लेकर बुधवार को भी वकीलों मे आक्रोश पनपा दिखा। नाराज वकीलो ने संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय की संयुक्त अगुवाई में लालगंज दीवानी परिसर में पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। न्यायिक कामकाज का बहिष्कार कर वकीलों ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित ज्ञापन सिविल जज को सौंपा।

लालगंज तहसील के अधिवक्ता एवं सांगीपुर थाना क्षेत्र के बवरिहा पहाड़पुर निवासी रूद्र प्रताप पाण्डेय 71 व हाईकोर्ट के अधिवक्ता एवं प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष बालकृष्ण पाण्डेय व अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय समेत चार पर बाइस अक्टूबर की शाम विपक्षियों ने कातिलाना हमला बोल दिया। घटना में सांगीपुर पुलिस ने आधा दर्जन नामजद तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। तीन नवंबर की रात गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता रूद्र प्रताप पाण्डेय का लखनऊ के एक उच्चस्तरीय सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। अधिवक्ता की मौत को लेकर पुलिस ने दर्ज मुकदमें में हत्या की धारा में बढ़ोत्तरी की है। बुधवार को अधिवक्ता रूद्र प्रताप हत्याकाण्ड को लेकर सैकड़ो वकील लालगंज दीवानी अदालत परिसर में एकत्रित हुए। नाराज वकीलो ने दीवानी गेट से लेकर परिसर के अंदर विरोध मार्च निकालते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश की अध्यक्षता में कार्यकारिणी ने बैठक कर न्यायिक कामकाज के बहिष्कार का प्रस्ताव पारित किया। इससे अदालती कामकाज ठहर गया। आम सभा को संबोधित करते हुए आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने लालगंज सीओ तथा सांगीपुर एसओ पर जमकर निशाना साधा। उन्होने कहा कि सरकार के घोषित पचास हजार के ईनामिया पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उन्होने कहा कि लालगंज सीओ खुद एसपी से मिलकर सर्किल छोड़ने का अनुरोध करना चाहिए। वही संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने सांगीपुर एसओ को बर्खास्त करने की वकीलों की ओर से आवाज उठाई। अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से सिविल जज डा0 के मल्लिकार्जुन से मुलाकात की। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित ज्ञापन में सरकार के लिए इस घटना को लेकर एसआईटी गठन के लिए नीतिगत निर्देश की मांग उठाई गयी। वही महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय ने कहा कि फरार हत्यारों को पुलिस गिरफ्तार न कर सकी तब वकीलों का आंदोलन तेज होने पर इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता राजेशचंद्र तिवारी ने किया। आम सभा को संघ के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता पवन पाण्डेय एवं रमेश पाण्डेय, उमेश नारायण तिवारी, वीरेन्द्र सिंह, आशुतोष सिंह तथा शहजाद अंसारी ने संबोधित करते हुए प्रशासन पर तीखे आरोप जड़े। इस मौके पर विभूति शुक्ला, आलोक मिश्र, सतेश सिंह, संजय ओझा, शिवकुमार गुप्ता, शैलेन्द्र तिवारी, पवन गौतम, प्रशान्त तिवारी, गया प्रसाद मिश्र, भालचंद्र मिश्र, दीपक तिवारी, विपुल त्रिपाठी, बृजेश तिवारी, संजीव तिवारी, दिनेश सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

न्यूज झरोखा

देव दीपावली पर मन्दिरों में जले आस्था के दीप, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रतापगढ़। देव दीपावली पर कार्तिक पूर्णिमा को लेकर बाबा घुइसरनाथ धाम समेत मन्दिरों मे श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। वही कार्तिक पूर्णिमा को लेकर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ से स्थानीय चैक पर दिन भर यातायात रेंगता दिखा। कार्तिक पूर्णिमा पर भोर से ही श्रद्धालु मानिकपुर गंगा स्नान करने के लिए भक्तिभाव में दिखे। गंगा स्नान का पुण्य अर्जित करने के साथ श्रद्धालुओं ने बाबा घुइसरनाथ धाम में मत्था टेका। घरों में भी विधिविधान से मां तुलसी के समक्ष दीप जलाये गये। महिलाओं ने मंगलगान के साथ तुलसी माता का पूजन अर्चन किया। मन्दिरों में भी मां तुलसी को भोग लगाकर श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते दिखे। गंगा स्नान को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से लालगंज चैक पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित दिखी। कालाकांकर रोड पर भीड़ का दबाव अधिक होने से पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। कमोवेश भीड़ का नजारा घुइसरनाथ रोड पर भी दिन भर दिखा। लालगंज के परमानंद आश्रम व श्रीहनुमत निकेतन में भी श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया। देव दीपावली पर मन्दिरों व घरों की छज्जाओं पर रोशनी का नजारा भी देखा गया।

घर में घुसकर मारपीट को लेकर तीन के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। रंजिशन घर में घुसकर पीड़ित पर हमले को लेकर लालगंज पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज का केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के रायपुर भगदरा निवासी रिबई के पुत्र रफीक ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती तीन नवंबर को वह अपने घर पर मौजूद था। इस बीच रंजिश को लेकर गांव के लाल मोहम्मद पुत्र तकी व शहंशाह पुत्र लाल मोहम्मद एवं फातिमा पत्नी लाल मोहम्मद उसके दरवाजे पर पहुंचकर गालियां देने लगे। मना करने पर आरोपियो ने पीड़ित के सिर पर लोहे की राड से हमला कर दिया। उसकी चीख सुनकर पत्नी गुलनाज व भाभी रूबीना दौड़कर आयीं तो यह लोग इन्हें भी मारपीट कर चुटहिल कर दिया। घायल जान बचाने को घर के अंदर घुस गये तब वहां भी आरोपियों ने मारपीट की। शोरशराबा सुनकर गांव के दौड़े तब आरोपी शिकायत करने पर जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने लाल मोहम्मद समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा 7 से 15 नवंबर तक

बेलखरनाथ धाम। विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के जयसिंहगढ़ गांव में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा 7 नवंबर से 15 तक 7 को सुबह नौ बजे विशाल कलशयात्रा के बाद दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कथा का आयोजन होगा। इस कथा के व्यास बाल भरत जी महराज अयोध्या धाम होंगे।इस आशय की जानकारी कथा के आयोजक हरि प्रसाद सिंह व जय प्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से दी है।

रिटायर्ड शिक्षक राम कृष्ण ओझा का निधन, सांसद व विधायक ने जताया दुःख

प्रतापगढ़। क्षेत्र के बनवारी लालूपुर निवासी रिटायर्ड शिक्षक रामकृष्ण ओझा 73 का बीमारी के चलते प्रयागराज के एक अस्पताल में बुधवार की सुबह निधन हो गया। वह लालगंज प्राथमिक शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष हिमांशु ओझा के पिता भी थे। निधन की जानकारी पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा मोना व शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने गहरा दुःख जताया है। वहीं साथी के पिता के निधन पर प्राथमिक शिक्षकों में भी शोक का माहौल दिखा। संघ के अध्यक्ष संतोष मिश्र, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, विष्णु सिंह, प्रीतेन्द्र ओझा, दीपेन्द्र ओझा, डॉ0 सौरभ मिश्र, संजय सिंह, अम्बरीश मिश्र, दीपक पाण्डेय, संजीव द्विवेदी, शिवम मिश्र, डॉ0 वीरेश सिंह, प्रभाकर द्विवेदी, राजेश वर्मा, आलोक मिश्र, अरूण कुमार मिश्र आदि ने रामकृष्ण ओझा के निधन पर संवेदना जतायी है।

अतिक्रमण को लेकर एसडीएम से किया फरियाद

लालगंज। कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर निवासी हरी लाल कोरी ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कहा है कि उसकी जमीन पर कोर्ट के स्थगन के बावजूद विपक्षियों ने जबरिया अतिक्रमण कर लिया है। विरोध करने पर आरोपी उसे जानलेवा धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने प्रशासन से सुरक्षा के साथ अवैध अतिक्रमण हटवाये जाने की फरियाद की है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम के जरिए तहसीलदार को समस्या के समाधान कराए जाने के निर्देश दिये हैं।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को पीटा, आई गंभीर चोट

पट्टी। पति ने शराब पीने के बाद अपनी पत्नी की पिटाई कर दी। जिससे विवाहिता के शरीर व सिर पर गंभीर चोटें आई है। महिला का पट्टी सीएचसी में इलाज चल रहा है।

आसपुर देवसरा थाने के पूरे दलपतशाह निवासी सूरसती पत्नी स्वर्गीय राजाराम का आरोप है कि उसने अपनी पुत्री मंजू का विवाह कंधई थाना क्षेत्र के आशापुर गांव निवासी विनोद हरिजन के साथ किया है। जब से शादी हुई है तभी से विनोद उसकी पुत्री को आए दिन मारता पीटता रहता है । इसी तरह मंगलवार की रात को शराब पीकर घर आया। जब उसकी पुत्री मंजू देवी ने विरोध किया तो उसके पति ने बुरी तरह से मारा पीटा। विवाहिता के शरीर व सिर में गंभीर चोट आई हैं। बुधवार की सुबह जब घटना की जानकारी मायके पक्ष के लोगों को हुई तो वो सीएचसी पट्टी पहुंचे। विवाहिता के दो बेटियां हैं रात में अपनी दोनों बेटियों के साथ और पड़ोसी की मदद से पट्टी सीएचसी पहुंची जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया गृह संपर्क अभियान का शुभारंभ

अभियान के तहत जिले भर में बनाई गई हैं 647 टोलियां

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार,5 नवम्बर से सघन गृह संपर्क अभियान की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान 5 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा । संघ का उद्देश्य प्रत्येक हिंदू और हिंदू परिवार तक पहुंच बनाना और समाज में संगठन की भावना को मजबूत करना है। इस अभियान के तहत जिले भर में 647 टोलिया बनाई गई है। प्रत्येक टोली में चार से पांच स्वयंसेवक शामिल हैं, जो घर-घर जाकर लोगों से संवाद स्थापित करेंगे। अभियान के दौरान स्वयंसेवक देश, समाज, संघ और हिन्दुत्व से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे तथा संगठन के उद्देश्यों से लोगों को अवगत कराएंगे।यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतापगढ़ के जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार जी ने दी। इसी क्रम में घर घर संपर्क अभियान का शुभारम्भ प्रतापगढ़ जिले के नगर में स्थित मां बेल्हा देवी के मंदिर में मां बेल्हा देवी का विधिवत पूजन अर्चन कर-के माता के श्री चरणों में शताब्दी वर्ष गृह संपर्क का फोल्डर,भारत माता का चित्र,संघ साहित्य आदि समर्पित करते हुए घर घर संपर्क अभियान का शुभारंभ शंखनाद के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर माननीय विभाग संघचालक श्री रमेश जी, विभाग कार्यवाह हरीश, जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार,गाजर घर संपर्क अभियान के सह जिला संयोजक अजीत, प्रांत घुमंतू संयोजक शशिभाल, विभाग प्रचार प्रमुख प्रभा शंकर, नगर कार्यवाह अंकित, भारतीय भाषा अभियान के जिला संयोजक महेश गुप्ता, अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शिवेश शुक्ला, राघवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक बृजेश सौरभ, कामनी, दिव्या, महेश मिश्र, आरव मिश्र, शिवशंकर सिंह, गिरीश, नीरज अग्रहरि, पुजारी शुभम आदि उपस्थित रहे।

बाजारों में खुलेआम रंग कर बेची जा रही आलू, अधिकारी मौन

- दुकानदार जनता को आलू के नाम पर बेच रहे बीमारी
- रंगीन आलू धोने काटने पर निकल रही हरी और सड़ी

विजय पाठक

पट्टी। इन दिनों बाजारों में आलू में रंग लगाकर खुलेआम बेचा जा रहा है। जिसे घर ले जाकर धोने पर सारी आलू खराब निकल रही है और दुकानदार खराब हरी सड़ी आलू को रंग कर बाजारों में खुले आम बेच रहे हैं। जिससे जहां पर खरीदार किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है वहीं पर स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बाजारों में लोगों को आलू के नाम पर बीमारी पड़ोसी जा रही है। लेकिन खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानकार भी अंजान बने हुए हैं। जिससे क्षेत्रीय लोगों में विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है।रानीगंज पट्टी तहसील क्षेत्र के जामताली, भगवतगंज, लच्छीपुर, प्रेम नगर, हरिहरगंज, मधवापुर, विलासगंज, जगनीपुर, दिलीपपुर, उधर उड़ैयाडीह, शीतलागंज, सोनाही,दीवानगंज, रखहा,पृथ्वीगंज सहित आसपास के बाजारों में इन दिनों आलू के नाम पर आलू को रंग कर रंग बिरंगी आलू बेची जा रही है। जानकार किसानों का कहना है कि हरी सड़ी गली खराब आलू को इस कलर के चमकदार रंग से लाल और सफेद आलू को रंग कर खुलेआम बेचा जा रहा है। भोली भाली जनता खराब रंग बिरंगी आलू लेकर फसते जा रहे हैं। खरीदारों की जेब पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है। बाजारों में आलू रंगने के विवाद को लेकर दुकानदार पहाड़ी आलू और पहाड़ी मिट्टी लगी होने की बात बता कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और जनता के साथ खुलेआम धोखा किया जा रहा है। उधर जानकारों का कहना है कि रंग बिरंगी आलू खाने से जहां पर स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है वहीं पर जानलेवा बीमारी भी हो सकती है। लेकिन खाद्य विभाग खाद्य सामग्री मिलावट खोरी पर रोक नहीं लग पा रहा है। यह धंधा काफी दिनों से सभी बाजारों में फल फूल रहा है। खाद्य विभाग के अधिकारी जानकर भी अंजान बने हुए हैं और कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जिससे क्षेत्रीय लोगों में खाद्य विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है। क्षेत्रीय जागरूक किसानो बुद्धिजीवियों ने इस रंग बिरंगी आलू की समस्या की ओर जिला अधिकारी एवं खाद्य विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए तत्काल छापेमारी कर मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने वाले जोड़े आधार कार्ड में फिंगर प्रिन्ट एवं चेहरा अपडेट करायें

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक जोड़ों (वर एवं वधू) का बायोमैट्रिक एथेन्टिकेशन एवं फेशियल रिकागनेशन द्वारा प्रमाणीकरण के बाद ही कार्यक्रम में सम्मिलित किया जायेगा। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले इच्छुक जोड़ों (वर एवं वधू) जिन्होनें योजना के अन्तर्गत पंजीकरण कराया है उनके आधार कार्ड में बाल्यावस्था अथवा बहुत पुरानी फोटो लगी है और जिन्होनें अपना बायोमैट्रिक अपडेट नही कराया है विशेषकर बायोमैट्रिक एवं फेस स्कैनिंग के लिए उनके आधार कार्ड की बायोमैट्रिक जानकारी (फिंगर प्रिन्ट एवं चेहरा) अपडेट करवाना अनिवार्य है ताकि समारोह आयोजन के दौरान बायोमैट्रिकध्केशियल उपस्थिति में कोई व्यवधान न हो।

नौकरी के नाम पर महिलाओं से लाखों रुपए की ठगी पुलिस से शिकायत

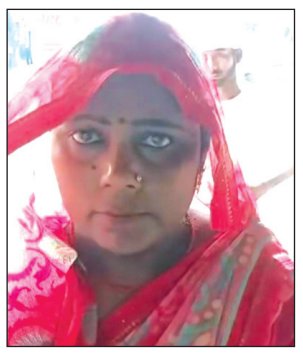

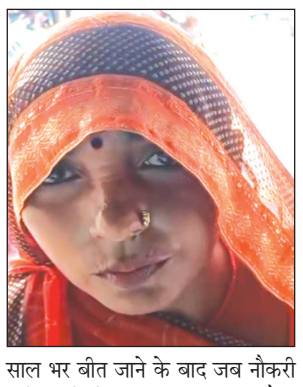

बेलखरनाथ धाम। सफाई कर्मी की नौकरी दिलवाने के नाम पर एक युवक ने लाखों रुपए की ठगी किया है। इस मामले में पीड़ित महिलाओं ने पुलिस से शिकायत करते हुए आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के हरजामऊ गांव के कमलेश गौतम की पत्नी तथा बिरौली गांव की रंजीता व निर्मला ने बताया कि सफाई कर्मी की नौकरी दिलवाने के नाम पर उड़ैयाडीह बाजार का एक युवक एक वर्ष पहले हम लोगों से लाखों रुपया ले लिया और साल भर बीत जाने के बाद जब नौकरी नहीं मिली।पीड़ित महिलाएं अपना पैसा वापस मांगने के लिए आरोपित के यहां पहुंचकर हंगामा करने लगे।आसपास के लोग के पहुंचने पर किसी तरह मामला शांत हुआ। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि ठगी करने वाला युवक ने हम लोगों का पैसा वापस नहीं कर रहा है। इस संबंध में हल्का दरोगा केशव प्रसाद से ने बताया कि शिकायती प्रार्थना पत्र नहीं मिला है प्रार्थना पत्र मिलने पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रेस्टोरेंट का फीता काटकर किया उद्घाटन

पट्टी। सदहा बाजार में मातेश्वरी गुप्र के चेयरमैन मुन्ना पाण्डेय ने श्री सीताराम स्वीट्रस एवं रेस्टोरेट का फीता काटकर उद्घाटन किया। साथ ही बताया कि रेस्टोरेन्ट खुलने से ग्रामीणों को कई तरह की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्य अतिथि के रुप में श्रीराम लीला समिति पट्टी के अध्यक्ष बुदुल सिंह, अशोक शुक्ला, राम अकबाल मिश्रा, जज शशिकांत पाण्डेय, अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक विनय मधुकर महाराज रहे। रेस्टोरेंट संचालक विजय यादव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताते हुए स्वागत किया। इस दौरान राजेश पाण्डेय समाजसेवी, रामदेव उर्फ मुन्ना पाण्डेय, राम अकबाल मिश्रा संस्थापक छोटी अयोध्या धाम, विभाव पाण्डेय प्रबंधक, बम बम उपाध्याय, मोहम्मद कलीम भाजपा नेता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

प्रतापगढ़। पीड़ित की रास्ते में रंजिशन विपक्षियों द्वारा पिटाई को लेकर सांगीपुर पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के खजुरी निवासी अयोध्या प्रसाद सिंह के पुत्र तेजभान सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तीन नवंबर को शाम पांच बजे वह बाजार से घर लौट रहा था। गांव के समीप रास्ते में रंजिश को लेकर गांव के रामगरीब पुत्र सियम्बर वर्मा ने उस पर लाठी डण्डे से हमला कर दिया। तहरीर में कहा गया है कि इसके पहले भी आरोपी व गनेश वर्मा व गुडडा देवी ने सप्ताह भर पूर्व उसे मारापीटा था। पीड़ित के शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चला गया। सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

लालगंज टाउन एरिया को मिली बड़ी सौगात जलनिकासी का प्रबन्ध होगा सुगम

सभासदों तथा व्यापारियों व आम शहरियों ने जताया सांसद व विधायक का आभार

लालगंज। विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के प्रयास से लालगंज टाउन एरिया को करोड़ों की सीवरेज एवं जल निकासी को लेकर सौगात मिली है। विधायक एवं सांसद के देव दीपावली पर मिले उपहार से लालगंज आदर्श नगर पंचायत अब स्वच्छता के क्षेत्र में चमक लिए दिखेगा। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने नगरवासियों की मांग पर बाजार क्षेत्र में जलभराव की समस्या को लेकर कवर्ड आरसीसी नाले के निर्माण कराए जाने को लेकर नगर विकास मंत्री को पत्र लिखा था। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के साथ विधायक आराधना मिश्रा ने विभागीय मंत्री से मिलकर इसके लिए धनराशि की मंजूरी का भी अनुरोध किया था। विधायक के प्रयास से शासन ने लालगंज टाउन एरिया के गौतमपुर वार्ड में आठ सौ पचासी मीटर सीसी नाले के निर्माण के लिए एक करोड़ बारह लाख बत्तीस हजार रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। शासन के संयुक्त सचिव कल्याण बनर्जी के द्वारा निर्गत शासनादेश के तहत इस मद में प्रथम किश्त के रूप में पचपन लाख रुपए अवमुक्त भी कर दिया गया है। विधायक की ओर से यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति में दी है। जिले में सिर्फ लालगंज टाउन एरिया के लिए करोड़ों की सौगात मिलने से नगरवासियों में बुधवार को खुशी का माहौल देखा गया। नगर पंचायत की अध्यक्ष अनीता द्विवेदी तथा प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने बताया कि विधायक मोना के प्रयास से मिली धनराशि से जलनिकासी की समस्या शीघ्र दूर हो सकेगी। चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी ने टाउन एरिया में जनसुविधाओं की इस प्रकार की बढ़ोत्तरी को लेकर विधायक मोना व सांसद प्रमोद तिवारी के प्रति सभासदों एवं स्थानीय व्यापारियों की ओर से आभार जताया है।

करंट की चपेट में आने से विवाहिता झुलसी

पट्टी। आलमारी में उतरे करंट की चपेट में आने से विवाहिता गंभीर रुप से झुलस गई। जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो आनन-फानन में परिजन महिला को लेकर सीएचसी पट्टी पहुंचे। जहां पर महिला का इलाज चल रहा है।

कंधई थाना के बाहूपुर गांव निवासी वंदना (25) पत्नी रवि कुमार बुधवार की दोपहर लगभग 12 बजे घर पर ही कुछ काम कर रही थी। तभी वह अचानक अलमारी में उतरे करंट की चपेट में आ गई और वही पर वह बेहोश होकर गिर पडी। परिजनों को जब करंट लगने की जानकारी हुई तो उसे प्राईवेट से लेकर पट्टी सीएचसी पहुंचे। जहां पर महिला का इलाज चल रहा है। इस संबंध में डा. नीरज ने बताया कि विवाहिता करंट की चपेट में आई थी। अभी सीएचसी पट्टी में उसका इलाज चल रहा है। महिला की हालत स्थिर है।

सगाई से लौट रहे बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने कुचला एक की मौत

पुनवार गांव के पास हुआ भीषण हादसा युवक की मौत पत्नी और साथी गंभीर घायल

अखंड भारत संदेश

महेवाघाट कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पुनवार गांव के पास बुधवार को बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे एक युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है एक युवक और महिला गंभीर रूप से घायल हो गए है घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है रिश्तेदार के घर सगाई समारोह से लौट रहे लोगों की खुशियों का माहौल कुछ ही पल में दुखो में बदल गया, दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार कृष्ण कोरी उम्र 30 वर्ष पुत्र पप्पू कोरी, निवासी फतेहपुर थाना पश्चिम शरीरा अपनी पत्नी सुनीता देवी और मित्र मनोज कुमार पुत्र बीरबली के साथ सगाई समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार तीनों पुनवार गांव के पास पहुंचे सामने से आ रहे एक अनियंत्रित व तेज रफ्तार ट्रैक्टर अचानक उनकी बाइक से जा भिड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्ण कोरी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उनकी पत्नी सुनीता देवी और साथी मनोज गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं गांव में हादसे के बाद से शोक का माहौल है। खुशियों से लौट रहे परिवार पर अचानक टूटी इस त्रासदी ने सभी को स्तब्ध कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के जलालपुर रेलवे क्रासिंग के पास बुधवार की सुबह लगभग दस बजे हावड़ा दिल्ली रेल लाइन पार करते वक्त ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई है दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई है जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार संदीपन घाट थाना क्षेत्र के जलालपुर बोरियों गांव निवासी हीरालाल सरोज पुत्र स्वर्गीय रामभजन सरोज बुधवार की सुबह लगभग 10:00बजे किसी काम से रेल पटरी के पास गया था तभी अचानक वह ट्रेन की चपेट में आ गया अचानक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही संदीपन घाट थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ढाबे से दो लोगों को पकड़ने के बाद पुलिस ने छोड़ा

कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के एक सीजन होटल में पुलिस ने छापा मारी कर दो लोगों को मौके से पकड़ा था रात मे होटल मे चोरी से उत्तर रहे डीजल पेट्रोल की सुचना पर पुलिस ने छापमारी कर धर्मेंद्र मौर्या, शाहरुख उस्मानी नाम के दो व्यक्ति को उठाया चोरी के सामान खरीदने का ढाबा संचालकों पर आरोप था छापामारी के दौरान गिरफ्तार दोनों व्यक्ति को पुलिस ने दूसरे दिन छोड़ दिया है जो चर्चा का विषय बन गया है आखिर पकड़े गए लोगों को थाना पुलिस ने किसके दबाव मे छोड़ा यह जांच का विषय है।

हटाए गए मोहब्बतपुर पइंसा थाना प्रभारी निरीक्षक

कौशाम्बी। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने क्राइम ब्रांच में तैनात निरीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा को थाना मोहब्बतपुर पइंसा का प्रभारी निरीक्षक बनाया है वहीं थाना मोहब्बतपुर पइंसा प्रभारी निरीक्षक रहे रोशन लाल को क्राइम ब्रांच भेजा गया है।

प्रसव के दौरान महिला की हुई दर्दनाक मौत

सरकारी अस्पताल में प्रसव के बाद हालात बिगड़ने पर निजी अस्पताल मे भर्ती महिला की हुई मौत

एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या सरकारी अस्पतालों में प्रसव की जिम्मेदारी स्वास्थ्य कर्मियों को छोड़ दिया गया है

अखंड भारत संदेश

नेवादा कौशाम्बी। नेवादा के सरकारी अस्पताल में महिला के प्रसव के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी डॉक्टरों की मौजूदगी ना होने से प्रसव पीड़िता महिला को सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं मिल पाया जिससे परिवार के लोग परेशान हो गए और महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन वहां भी सुधार न होने पर महिला को परिजन इलाहाबाद ले जा रहे थे जहां उसकी मौत हो गई है एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं महिला की मौत के बाद परिवार में कोहराम बचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पिपरी थाना के मखऊपुर निवासी शिवलोचन उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी धनंजय को 4 नवम्बर मंगलवार भोर मे प्रसव के लिए नेवादा पी एच सी मे भर्ती कराया गया जहां पर महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया उसके कुछ देर बाद महिला की अचानक हालत बिगड़ने लगी और ब्लड तेजी से गिरने लगा अस्पताल में महिला डाक्टर मौजूद नहीं थी हालत नाजुक बताते हुए अस्पताल कर्मियों ने पीड़ित महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया परिजनों ने महिला की हालत को नाजुक देखते हुये जिला अस्पताल नही बल्कि तिल्हापुर मोड़ के एक निजी अस्पताल मे भर्ती करा दिया तकरीबन एक घंटे महिला का इलाज निजी अस्पताल में किया गया लेकिन डाक्टर बीपी नियन्त्रित करने मे असफल रहे और उन्होने भी हांथ खड़े कर दिए मजबूर हताश परिजन आनन फानन मे महिला को गंभीर अवस्था मे प्रयागराज ले गये और निजी अस्पताल मे भर्ती कर दिया जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई महिला की मौत होने के बाद परिजन मे कोहराम मच गया महिला अपने पीछे तीन बच्चों दिव्यांशी 6 वर्ष आयांशी 4 वर्ष तथा गोद मे दुधमुंहा बेटा नवजात शिशू को छोड़ गई है महिला की मौत के बाद कौशांबी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या सरकारी अस्पतालों में प्रसव की जिम्मेदारी स्वास्थ्य कर्मियों को छोड़ दिया है।

ट्रेन के सामने कूदकर युवक ने किया आत्महत्या

क्षत-विक्षत हालत में शव रेल लाइन पर पड़ा था मृतक के मोबाइल और बाइक से हुई उसकी पहचान

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मलहरा गांव के पास बुधवार दोपहर एक युवक ने हावड़ा दिल्ली रेल लाइन की तेज रफ़्तार ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर लिया है हादसा इतना दर्दनाक था कि युवक के शरीर के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। घटना की जानकारी के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उनके रोंगटे खड़े हो गए।मृतक युवक की पहचान अनिल कुमार उम्र 30 वर्ष पुत्र रामसूरत निवासी नगर पंचायत चरवा, थाना चरवा के रूप में हुई है। वह घर पर रहकर वेल्डिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर अनिल मोबाइल पर बातचीत कर रहा था। ग्रामीणों ने उसे रैयादेह माफी गांव के पास काफी देर तक फोन पर बात करते देखा था। इसके बाद उसने बाइक सड़क किनारे खड़ी की और ट्रेन के आगे कूद गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे तो क्षत-विक्षत हालत में शव रेल लाइन पर पड़ा था। मृतक के मोबाइल और मोटरसाइकिल से उसकी पहचान हुई। ग्रामीणों ने उसके मोबाइल पर आए कॉल से परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना पाकर रोते-बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। संदीपन घाट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार हाल ही में अनिल और उसकी पत्नी के बीच किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ था।मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन बेटियों को छोड़ गया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है और मान रही है कि अनिल के मोबाइल से उसकी मौत की असली वजह सामने आ सकती है।

न्यूज झरोखा

दो दिन पहले सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र का एक व्यक्ति दो दिन पहले पिपरी थाना क्षेत्र के गुंगवा की बाग के पास सड़क हादसे में घायल हो गए थे जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था इलाज के दौरान मंगलवार की शाम को उनकी मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के शेखपुर रसूलपुर गांव निवासी सुरेश चंद्र उम्र लगभग 61 वर्ष पुत्र जगन्नाथ सोमवार को बैंक से रुपया निकालने के लिए साइकिल जा रहे थे जैसे ही वह पिपरी थाना क्षेत्र के गुगवा की बाग के पास पहुंचे नीलगाय का झुंड अचानक सड़क पर आ गया और सुरेश चंद्र पर हमला कर दिया जिससे सुरेश चंद्र साइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए घायल अवस्था में उन्हें तिल्हापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मंगलवार की शाम को उनकी मौत हो गई है मौत होते ही परिवार में कोहराम मच गया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रक की टक्कर बाइक सवार दंपत्ति सहित तीन घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के आदर्श नगर पंचायत अझुवा हाइवे में तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दंपत्ति वा बगल से गुजर रहा राहगीर सड़क पर गिर कर घायल हो गए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनाक्रम के मुताबिक द्वारिका प्रसाद पुत्र स्व गणेश निवासी टिकरी खागा फतेहपुर अपने पत्नी के साथ बाइक से घर जा रहे थे अझुवा कस्बे के समीप बुधवार शाम लगभग 7 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दिया जिससे पति पत्नी बाइक सहित सड़क पर गिर गए बगल से गुजर रहे प्रेम लाल पुत्र स्व .रघुवीर निवासी लोधन का पुरवा मजरे घुमाई चपेट में आ गया जिससे द्वारिका प्रसाद और प्रेम लाल जख्मी हो गए मौके पर रहे लोगों ने जख्मियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया है पुलिस अज्ञात ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

सूखे कुएं में गिरा किशोर, गंभीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के वॉर्ड नंबर 4 मढिया मई में एक किशोर पतंग उड़ाते समय सूखे कुंए में गिर गया जिससे किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटनाक्रम के मुताबिक रामकरन निवासी वार्ड नंबर 4 मढिया मई रसूल पुर परिवार सहित खेतों में काम कर रहा था ।खेतों के पास उसका पुत्र हिमांशु पतंग उड़ा रहा था पतंग उड़ाते हुए हिमांशु अचानक खेतों के पास स्थित एक सूखे कुएं में गिर गए परिजनों में चीख पुकार मच गई ग्रामीणों के सहयोग से परिजनों ने हिमांशु को सूखे कुंए से निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

हत्या का प्रयास करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र में 10 सितम्बर को पंकज पाठक निवासी इच्छाना थाना सराय अकिल का गांव के कमलेश पाठक व उसके साथी से मोबाइल के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था आरोपियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए पंकज के सिर पर कुल्हाडी से प्रहार किया, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गए सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दीपक पाठक पुत्र स्व0 संकट मोचन पाठक निवासी इच्छाना थाना सराय अकिल को करन चौराहे के पास से कुल्हाडी के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

वारण्टी अभियुक्त को सराय अकिल पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा केश नं0 1276/21 धारा 406 भादवि से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त राजा तिवारी पुत्र कृष्ण मोहन तिवारी निवासी खोपा थाना सराय अकिल को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

पीएम इन्टर्नशिप एवं सीएम इन्टर्नशिप में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को उदयन सभागार में पीएम इन्टर्नशिप एवं सीएम इन्टर्नशिप योजना की प्रगति की समीक्षा की जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान प्रधानाचार्य आई.टी.आई. से लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्हांने अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए प्रधानाचार्य,आई.टी.आई. से स्पष्टीकरण प्राप्त करने एवं उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानाचार्य,आई.टी.आई. से कहा कि उपायुक्त उद्योग से समन्वय कर लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति लाने के लिए एक सप्ताह में कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत किया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों को छात्रवृत्ति देने का ढकोसला कर रही यूपी सरकार

कौशाम्बी। हाई स्कूल और इंटर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दिए जाने वाला पोर्टल बंद कर दिया गया है जिससे हाईस्कूल और इंटर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सरकार से छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है छात्रों ने अधिकारियों को पत्र देकर प्रोफाइल खोल जाने का अनुरोध किया है विद्यालय की परिस्थितियों को देखते हुए छात्रवृत्ति पोर्टल कक्षा 9 से 12 तक के प्रोफाइल अनलॉक कराने हेतु निदेशक समाज कल्याण लखनऊ को पत्राचार करने की मांग विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक से किया है। विद्यार्थियों ने कहा कि प्रदेश में बहुत ऐसे वित्त विहीन विद्यालय हैं जो छात्रवृत्ति प्रोफाइल लॉक नहीं हैं। जब तक कोई नई व्यवस्था आती है तो बहुत से ऐसे विद्यालय है जहां पर छात्र संख्या भी कम है तथा वित्तविहीन स्कूल में प्रधानाचार्य लगभग प्रतिवर्ष बदल जाते हैं जिससे जिला विद्यालय निरीक्षक कौशाम्बी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा जारी दिशा निर्देश नहीं प्राप्त हो पाता है ।छात्रवृत्ति फारवर्ड करने की अन्तिम तिथि 06 नवम्बर 2025 है ऐसी स्थिति में किसी भी छात्र का अहित न हो। जिला विद्यालय निरीक्षक अपने लोग्गिन लगीं लागिन से छात्रवृत्ति पोर्टल से रिपोर्ट निकालकर प्रोफाइल न लॉक करने वाले विद्यालयो की सूची जिला समाज कल्याण अधिकारी कौशाम्बी को अवगत करायें। जिला समाज कल्याण अधिकारी अपने स्तर से निदेशक समाज कल्याण लखनऊ को पत्राचार कर अवगत करायें जिससे विद्यालय की प्रोफाइल पुनः खोली जाये और छूटे हुए विद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति फारवर्ड हो सके।

त्रिपुरासुर का वध करने के बाद बाबा भोले शंकर के भक्तों ने मनाई थी देव दीपावली

कौशांबी जनपद में भी देव दीपावली का विशेष महत्व है और नगर शहर कस्बे से लेकर गांव गांव तक लोगों ने देव दीपावली पर दीपक जलाया है

कौशांबी। त्रिपुरासुर के आतंक से पूरा संसार पीड़ित था राक्षस त्रिपुरासुर के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान भोलेनाथ शंकर ने त्रिपुरा सुर का वध किया था जिसके बाद भोले शंकर को त्रिपुरारी कहा जाने लगा त्रिपुरासुर के वध के बाद आतंक से देव ऋषी मुनि के साथ आम जनता को भी आतंक से मुक्ति मिल गई थी जिस पर आम जनता ने देव दीपावली मना कर जश्न मनाया था कौशांबी जनपद में भी देव दीपावली का विशेष महत्व और नगर शहर कस्बे से लेकर गांव गांव तक लोगों ने देव दीपावली पर दीपक जलाया है देव दिवाली का महत्व केवल काशी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे भारत में भक्ति, पुण्य और प्रकाश का प्रतीक बन चुका है. इस दिन लोग गंगा यमुना नदी के पवित्र जल में स्नान करते हैं, मंदिरों में दीप जलाते हैं और घर के द्वार पर प्रकाश करते हैं. ऐसा माना जाता है कि इस दिन जलाया गया दीप न सिर्फ अंधकार को मिटाता है, बल्कि पापों से मुक्ति और जीवन में सुख-समृद्धि का मार्ग भी खोलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, देव दिवाली के पीछे एक रोचक कथा भी जुड़ी हुई है, जिसकी वजह से इस दिन को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है शिवपुराण में वर्णित पौराणिक कथा के अनुसार, त्रिपुरासुर नामक राक्षस बहुत ही शक्तिशाली था. कहा जाता है कि राक्षस तारकासुर के तीन पुत्र थे- तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली. इन तीनों को मिलाकर ही त्रिपुरासुर राक्षस बना था. ये तीनों अपनी असाधारण शक्ति और अहंकार के कारण देवताओं के लिए संकट बन गए थे. जब भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का अंत किया, तो उसके इन तीनों पुत्रों ने प्रतिशोध की अग्नि में तप कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया था. ब्रह्मा जी ने उन्हें अमरता छोड़कर कोई भी वरदान मांगने को कहा. तब तीनों ने चतुराई से ऐसा वरदान मांगा जो लगभग अमरता के समान ही था. उन्होंने कहा कि उनकी मृत्यु तभी संभव हो जब तीनों एक ही पंक्ति में हों,अभिजीत नक्षत्र का समय हो और कोई एक ही तीर से तीनों का वध करे. ब्रह्मा जी ने यह वरदान स्वीकार कर लिया. इसके बाद त्रिपुरासुर ने तीनों लोकों में आतंक मचा दिया था- देवता, ऋषि और मनुष्य सभी उनके अत्याचारों से त्रस्त हो गए थे। जब अत्याचार चरम पर पहुंच गया, तो देवताओं ने भगवान शिव से शरण ली. बाबा भोलेनाथ महादेव ने त्रिपुरासुर का अंत करने का संकल्प लिया. उन्होंने पृथ्वी को अपना रथ बनाया, सूर्य और चंद्रमा को उसके पहिए, मेरु पर्वत को धनुष और वासुकी नाग को धनुष की डोरी बनाया. उस समय भगवान विष्णु स्वयं बाण बने. जैसे ही अभिजीत नक्षत्र का समय आया, भगवान शिव ने एक ही तीर से त्रिपुरासुर- तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली, तीनों का संहार कर दिया. कहा जाता है, इस विजय के बाद देवताओं ने दीप जलाकर हर्ष मनाया और तभी से कार्तिक पूर्णिमा के दिन ह्यदेव दीपावली मनाने की परंपरा शुरू हुई. यह पर्व प्रकाश की उस विजय का प्रतीक है जब भगवान शिव ने अंधकार और अहंकार दोनों का अंत किया।

चाचा के घर मिलने गए व्यक्ति की संदिग्ध दशा में मौत

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कड़ा कौशांबी। सैनी कोतवाली के मधवा मई गांव निवासी हीरालाल उम्र लगभग 50 वर्ष 3 नवंबर को अपने परिवार के चाचा फुलझाड़ वा सत्यनारायण से मिलने बाइक से उनके घर गए थे लेकिन हीरालाल की उनके चाचा के घर में ही अचानक मौत हो गई है मौत होने के बाद दोनों लोगों ने हीरालाल के शव को उनके घर पहुंचा दिया है उस दिन तो मामले में किसी प्रकार की कहानी नहीं उत्पन्न हुई लेकिन मृतक हीरालाल की बहू करिश्मा देवी ने दूसरे दिन 4 नवम्बर को पुलिया अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर उपरोक्त दोनों व्यक्तियों पर हीरालाल की हत्या करने का आरोप लगाया है मृतक हीरा लाल की बहू करिश्मा का कहना है कि उपरोक्त दोनों लोग उसके ससुर को पूछने 3 नवम्बर को घर आए थे और बाद में उपरोक्त दोनों लोगों का फोन भी ससुर के मोबाइल पर आया था उसके बाद ससुर उनसे मिलने गए थे जहां उनकी हत्या कर दी गई है हालांकि मृतक के शरीर में किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं दिखाई पड़े हैं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना के खुलासे की जांच करने के लिए आरोपियों को थाना पकड़ लाई है जिनसे पूछताछ चल रही है।

02 उर्वरक दुकानों का लाइसेंस निरस्त एवं 07 दुकानों को नोटिस जारी

कौशांबी। उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी ने जनपद के कृषकों को उचित दर पर डी.ए.पी. एवं यूरिया खाद सुनिश्चित कराने के लिए पश्चिम शरीरा, टेवा बैरमपुर एवं महेवाघाट में खाद की दुकानों का औचक निरीक्षण किया जिला कृषि अधिकारी एवं उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी अभयराज गुप्ता ने सिराथू क्षेत्र में शहजादपुर व कल्याणपुर आदि स्थानों पर खाद की दुकानों का औचक निरीक्षण किया अधिकारियों द्वारा खाद के दुकानों के औचक निरीक्षण में स्टॉक बोर्ड न लगाए जाने व स्टॉक रजिस्टर न बनाने अथवा अपूर्ण पाए जाने, कृषकों को रसीद न दिए जाने एवं ओवररेटिंग आदि कमी पाए जाने पर 02 दुकानों का लाइसेंस निरस्त किया गया एवं 07 दुकानों को नोटिस जारी की गई पश्चिम शरीरा में शारदा प्रसाद एंड ब्रदर्स उर्वरक विक्रेता द्वारा कृषक विश्वनाथ पुत्र छोटेलाल को 04 बोरी डी.ए.पी. के मूल्य रुपए-5400 के सापेक्ष रुपए-6500 लिए जाने की शिकायत पर उप कृषि निदेशक ने उर्वरक विक्रेता से रुपए-1100 कृषक विश्वनाथ को वापस कराया। हालांकि अधिकारियों की यह कार्यवाही उर्वरक की मिलावट खोरी ओवर रेटिंग कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए पर्याप्त नहीं है अभी बड़े पैमाने पर उर्वरक की ओवर रेटिंग और मिलावट खोरी का धंधा उर्वरक व्यापारियों द्वारा तेजी से किया जा रहा है और यह सब कुछ कृषि विभाग के अधिकारियों के संलिप्तता से पनप रहा है विभाग का एक कर्मचारी उर्वरक व्यापारियों से प्रत्येक सीजन वसूली कर रहा है जिस पर रोक नहीं लग रही है जब उर्वरक व्यापारी विभाग के कर्मचारियों को प्रत्येक सीजन नोट की गड्डी देंगे तो वह मिलावट खोरी और कालाबाजारी ओवर रेटिंग तो करेंगे।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के वरिष्ठतम बांसुरी वादक पंडित चेतन जोशी का भवंस मेहता विद्याश्रम में कल होगा आगमन

भरवारी कौशांबी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में दिनांक 07 नवंबर 2025 को भारतीय शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने हेतु स्पिक मैके उत्तर प्रदेश संस्था द्वारा सांस्कृतिक कला को बढ़ावा देने हेतु अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठतम बांसुरी वादकों में से एक पंडित चेतन जोशी का आगमन हो रहा है ।सभी छात्र,शिक्षक और संगीत प्रेमी इस कार्यक्रम में आमंत्रित हैं ।उक्त जानकारी भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के निदेशक संदीप सक्सेना ने दी है ।उन्होंने बताया कि पिछले तीस से भी अधिक वर्षों से श्री जोशी ने भारत तथा भारत से बाहर अनगिनत कार्यक्रमों में अपने कला का प्रदर्शन किया है ।इस लंबी यात्रा के दौरान चेतन जोशी ने अपनी एक अद्वितीय वादन शैली विकसित की है तथा बांसुरी वादन के क्षेत्र में कई नवप्रयोगों को परिष्कृत किया जो अब उनकी विशिष्ट पहचान बन गए हैं ।भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2019 के लिए आपको केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी अवार्ड प्रदान किया। वर्ष 2006 में झारखंड सरकार द्वारा राज्यीय सरस्वती सम्मान आपको प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त सुर मणि, विश्मिल्लाह सम्मान, सरस्वती सम्मान, महाराज स्वाति तिरुनाल अवार्ड, संगीत समाज सेवा अवार्ड, कला रत्न सम्मान, संगीत गौरव अवार्ड, स्वर भारतीय अवार्ड, सा मा संगीत तेजस्वी सम्मान तथा ऐसे कई सम्मान व उपाधियाँ संगीत के क्षेत्र में आपकी उपलब्धियों व योगदान के लिए समय समय पर प्रदान किए गए हैं ।चेतन जोशी, विश्व विख्यात बांसुरी वादक स्वर्गीय पंडित रन्नूजू सेठ (मुंबई) तथा स्वर्गीय पंडित भोलानाथ प्रसन्ना (प्रयाग) के वरिष्ठ शिष्यों में से एक हैं। चेतन जोशी सुविख्यात गायक स्वर्गीय आचार्य जसराज (बोकारो) तथा पद्मभूषण पंडित अरविंद चक्रवर्ती (कोलकाता) से भी मार्गदर्शन लिया है ।चेतन जोशी ने विदेशों में कला प्रदर्शन भी किया है। भारत के भी लब्धप्रतिष्ठित संगीत समारोहों में आपने बांसुरी वादन प्रस्तुत किया है, जिनमें प्रमुख हैं- श्री संकटमोचन संगीत समारोह (वाराणसी), श्री बाबा हरिहरवल्लभ संगीत सम्मेलन (जालंधर), तानसेन समारोह (ग्वालियर), कालिदास समारोह (उज्जैन), विश्व बांसुरी महोत्सव (दिल्ली), भास्कर राव संगीत समारोह (नांदेड़), ताज महोत्सव (आगरा), स्वरमाला (वाराणसी) इत्यादि ।बांसुरी वादन के अतिरिक्त आपने अनेक नृत्य नाटिका, नाटक तथा वृत्तचित्रों का संगीत निर्देशन भी किया है। वर्ष 2023 में दिल्ली में ऋ20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों के मुख्य भारत के 202 दुर्लभ वाद्यों की वाद्यवृंद परिनिति "गंधर्व ऑटोड्रम" का संगीत निर्देशन अपने सफलता पूर्वक किया ।स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में देश को उपहार स्वरूप 75 युवा "बांसुरी सहार" देने का आपका असोका संकल्प भी वर्ष 2022 में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संगीत के व्यवहारिक तथा शास्त्रीय पक्ष पर आपके व्याख्यान, लेख, साक्षात्कार आदि प्रकाशित होते ही रहते हैं ।भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के निदेशक संदीप सक्सेना कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह,स्कूल कॉर्डिनेटर मोहम्मद नसीम एवं समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बांसुरी वादक पंडित चेतन जोशी तथा तबला वादक मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा स्कूल में छात्रों के बीच कार्यक्रम की उपस्थिति तथा अपने कुशल अनुभव को छात्रों के बीच साझा करने के लिए अपना समय निकालने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खुशी व्यक्त किया है ।स्कूलों में इस तरह के आयोजन से छात्रों को संगीत के क्षेत्र में नई प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

सम्पादकीय

महिला टीम को बधाई और सलाम

भारतीय खेल जगत के लिए रविवार 2 नवंबर एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि का दिन था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार क्रिकेट विश्वकप में शानदार जीत दर्ज की है। 1973 से महिला क्रिकेट टीम न केवल ऐसी किसी ऐतिहासिक जीत के इंतजार में थी, बल्कि इसके साथ-साथ और बहुत से मोर्चों पर उसे सफल होने की जद्दोजहद करनी पड़ रही थी। क्रिकेट खेलने का मैदान, तरीके, नियम महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए एक जैसे ही हैं। दोनों वर्गों के खिलाड़ियों को एक जैसी मेहनत मैदान पर करनी पड़ती है। लेकिन महिला खिलाड़ियों के लिए संघर्षों का दायरा कहीं अधिक बड़ा है। पहला संघर्ष तो लैंगिक भेदभाव का ही है। क्रिकेट को जेन्टलमैन गेम कहा जाता है, यानी भद्रजनों का खेल। अंग्रेजों की मानसिकता उनके बनाए इस खेल में पूरी तरह झलकती है, जहां समाज के उच्च तबके के लोग ही भद्र माने जाते थे और उनके पुरुष ही इस खेल को खेल सकते थे। हालांकि वह युग अलग था। गेंद की तरह जब यह खेल भी सीमाओं के पार जाकर खेला जाने लगा तो इसमें देश और काल के हिसाब से तब्दीलियां आने लगी। महिलाओं ने भी क्रिकेट खेलना शुरू किया। लेकिन पितृसत्तात्मक समाज ने आदतन उन्हें हतोत्साहित किया। इसके लिए कई तरीके आजमाए गए। टीशर्ट-लोअर पहनी महिलाओं का मजाक उड़ाना, उनकी शारीरिक क्षमता पर संदेह करना यह सब तो चलता ही रहा। इसके साथ महिला खिलाड़ियों को पुरुष टीमों की अपेक्षा कम फीस देना, उनके टीम प्रबंधन, सुविधाओं और संसाधनों पर खर्च न करना, महिला टीमों के मैच के लिए प्रायोजकों का न मिलना, ऐसी कई अड़चनें दिखाकर महिला खिलाड़ियों को यही संदेश बार-बार दिया गया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए नहीं बनी हैं।

आज से 20 साल पहले के दौर में मिताली राज जैसी महिला क्रिकेटरों को इसी बात का दुख था कि महिला क्रिकेट टीम को न पहचान मिलती है, न सम्मान मिलता है, बल्कि उपेक्षा करने में कोई कमी नहीं की जाती। हालात अब भी कमोबेश वही हैं, इसलिए किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। हालांकि थोड़े बहुत बदलाव दिखना शुरू भी हो गए हैं। जीत के तुरंत बाद बीसीसीआई सचिव देवजित सैकिया ने घोषणा की है कि टीम, सहयोगी स्टाफ और चयनकताओं को कुल 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि आईसीसी ने लगभग 37. 8 करोड़ रुपये का इनाम विजेता टीम को दिया है। बीसीसीआई के पास धन और संसाधनों की कमी नहीं है, लिहाजा वह एक बड़ी राशि महिला टीम को दे रही है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। हालांकि यह सवाल बना हुआ है कि क्या बीसीसीआई की तरफ से महिला खिलाड़ियों को यही प्रोत्साहन आगे भी मिलता रहेगा। देश की कई महिला क्रिकेट खिलाड़ी, जो प्रतिभा होने के बावजूद कई किस्मों के भेदभाव में फंस जाती हैं, उन्हें इससे निकालने और आगे बढ़ाने के लिए बोर्ड के पास क्या कोई योजना है। देवजित सैकिया ने यह भी कहा कि 'जय शाह के नेतृत्व में महिला क्रिकेट में क्रांति आई। मैच फीस समानता और पुरस्कार 300प्रतिशत बढ़े।

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

-ललित गर्ग-

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, ह्नजांच के आदेश दे दिए गए हैंह्व, ह्नदोषियों पर कार्रवाई होगीह्व, ह्नपीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगाह्व और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की

आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें ह्नसीख लेनेह्व की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर ह्नप्रबंधनह्व को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब ह्नप्रेस कॉन्फ्रेंसह्व और ह्नमुआवजाह्व की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए।

आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

तेजस्वी के खिलाफ धारणा की लड़ाई हार रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

कल्याणी शंकर

नवीनतम सी-वोटर सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि वह बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए शीर्ष विकल्प बने हुए हैं। लालू यादव के पुत्र तेजस्वी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और उन्होंने मतदाताओं से कई लोकलुभावन वायदे किए हैं। इनमें पेंशन और स्वास्थ्य सेवा जैसे सामाजिक कल्याण लाभों में वृद्धि, साथ ही सरकारी रोजगार अभियानों और छोटे व्यवसायों को समर्थन के माध्यम से रोजगार सृजन पहल शामिल हैं। आगामी 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है, जिसका सभी संबंधित दलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। जनमत सर्वेक्षण सत्तारूढ़ एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के पक्ष में हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ सत्ता-विरोधी भावनाएं भी प्रबल हैं।

भाजपा नेता पहले से ही जीत का दावा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर घोषणा की है कि भाजपा-एनडीए बिहार में व्यापक जीत दर्ज करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि ये सर्वेक्षण पार्टियों और उनके नेताओं को प्रभावित करते हैं। ये नेतृत्व, जातिगत गतिशीलता और मतदाताओं की धारणाओं पर भी निर्भर करते हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाला और कांग्रेस, वाम दलों और छोटे दलों के साथ गठबंधन करने वाला इंडिया ब्लॉक, दो दशकों के एनडीए शासन को समाप्त करना चाहता है। मजबूत नेतृत्व और संगठन के साथ, मतदाताओं का मूड आगे एक उतार-चढ़ाव भरा चुनाव होने का संकेत देता है।स्थानीय विधायकों में असंतोष, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार सृजन की कमी के साथ, सत्तारूढ़ गठबंधन के समर्थन को कमजोर कर रहा है। हालांकि एनडीए को उच्च जातियों और वृद्ध मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है, लेकिन युवाओं और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) समूहों को जोड़ने में इसकी असमर्थता पार्टी के लिए चुनौतियां पेश करती है। चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के स्टार प्रचारक नेताओं से काफी प्रभावित होते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मतदाताओं, खासकर महिलाओं का भरपूर समर्थन प्राप्त है, जो मुफ्त बिजली, स्वच्छ पानी और एक करोड़ रोजगार सृजित करने की योजना जैसी उनकी पहलों की सराहना करती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 25 लाख महिलाओं की सहायता के लिए एक महिला कल्याण कार्यक्रम के तहत प्रत्येक को 10,000 रुपये आवंटित किए हैं। सी वोटर सर्वेक्षण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता में उतार-चढ़ाव देखा गया, परन्तु उत्तरदाताओं ने उन्हें अपना पसंदीदा

मुख्यमंत्री चुना। एक आश्चर्यजनक दावेदार जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर थे, जो 16 प्रतिशत वोटों के साथ एक पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में उभरे। एनडीए का बिहार भर में एक मजबूत नेटवर्क है, जिसमें भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और जनता दल (यूनाइटेड) जद(यू) दोनों के कार्यकर्ता शामिल हैं, साथ ही आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) समूहों का भी समर्थन प्राप्त है। प्रधानमंत्री द्वारा समर्थित हालिया विकास परियोजनाओं ने एनडीए के अभियान को मजबूत करने में मदद की है।

भाजपा ने जद(यू) का समर्थन किया और भाजपा के शीर्ष नेता एनडीए के लिए प्रचार कर रहे हैं, और वित्तपोषण कोई समस्या नहीं है। हालांकि, एनडीए स्थानीय स्तर पर संघर्ष कर रहा है, जहां उसे अपने विरोधियों जितनी विश्वसनीयता और जमीनी समर्थन का अभाव है। राजद के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उनके पास लगभग 30प्रतिशत मुस्लिम-यादव मतदाता हैं। नवीनतम सी-वोटर सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि वह बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए शीर्ष विकल्प बने हुए हैं। लालू यादव के पुत्र तेजस्वी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और उन्होंने मतदाताओं से कई लोकलुभावन वायदे किए हैं। इनमें पेंशन और स्वास्थ्य सेवा जैसे सामाजिक कल्याण लाभों में वृद्धि, साथ ही सरकारी रोजगार अभियानों और छोटे व्यवसायों को समर्थन के माध्यम से रोजगार सृजन पहल शामिल हैं। तेजस्वी राजद का नेतृत्व करते हैं, लेकिन उनके पिता लालू प्रसाद यादव और परिवार के अन्य सदस्यों का अभी भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। पारिवारिक विवाद अक्सर तेजस्वी को पार्टी की रणनीति के बजाय आंतरिक कलह को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करते हैं। परिवार के कुछ सदस्य कानूनी मुद्दों का सामना कर रहे हैं, जिनमें जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ईडी जांच भी शामिल है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजद के साथ गठबंधन उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं। अब वह कांग्रेस के वफादारों का समर्थन जुटाने के लिए रैलियां और रोड शो करने की योजना बना रहे हैं। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी राज्य में सक्रिय रूप से प्रचार कर रही हैं। हालांकि, पार्टी को मजबूत स्थानीय नेताओं की कमी के कारण संघर्ष करना पड़ रहा है। कांग्रेस के लगातार खराब प्रदर्शन को गठबंधन में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। 1995 के बिहार विधानसभा चुनावों के बाद से, कांग्रेस किसी भी चुनाव में 30 से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब नहीं हुई है। इस बार, कांग्रेस ने 61 उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से 56 सीटों पर भाजपा और जद(यू) से उसका बीच सीधा मुकाबला है- ये सीटें मुख्यतः एनडीए के नियंत्रण में हैं। भाजपा मुख्यतः शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सक्रिय है, जहां जनसंख्या लगभग 30प्रतिशत है। ऐतिहासिक और सामाजिक कारकों के कारण, उच्च जातियों का प्रभुत्व पिछड़े और हाशिए पर पड़े समुदायों तक उसकी पहुंच को सीमित करता है, जो बिहार जैसे राज्य में एक बड़ी ओबीसी और दलित आबादी के लिए एक चुनौती हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के कई नेता बिहार में प्रचार कर रहे हैं। एनडीए नीतीश कुमार के कल्याणकारी अनुभवों पर जोर देता है, जबकि इंडिया ब्लॉक युवा नेतृत्व और मतदाता भागीदारी बढ़ाने पर जोर देता है। युवा वोट और कुल मतदान प्रतिशत बिहार के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वोटवाइब के नवीनतम सर्वेक्षण में कड़ी टक्कर दिखाई दे रही है, जिसमें महागठबंधन को 34.7प्रतिशत और एनडीए को 34.4प्रतिशत समर्थन प्राप्त है। जन सुराज को 12.3प्रतिशत समर्थन प्राप्त है, जबकि 8.4प्रतिशत लोगों को त्रिशंकु विधानसभा की आशंका है। यह चुनाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके परिणाम का स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई नेताओं के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। अगर एनडीए 2025 के बिहार चुनावों में फिर से जीतता है, तो इससे भाजपा को 2026 के कई विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त बल मिलेगा। इस समय नीतीश कुमार की हार उनके राजनीतिक करियर का अंत हो सकती है। राहुल और प्रियंका गांधी को भी इस बार इंडिया ब्लॉक की जीत की अत्यंत आवश्यकता है। ये नतीजे चिराग पासवान, प्रशांत किशोर और अन्य छोटी पार्टियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा ने चुनावों से पहले सांस्कृतिक अंधभक्ति की नींव रखी

आशीष विश्वास

बांग्लादेश की बात करें तो यह बहुत बाद में आया। समस्या यह थी कि श्री सरमा और उनके जैसे लोग स्वतंत्रता आंदोलन या बंगाल या अन्य जगहों पर कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे ब्रिटिश-विरोधी संघर्षों से वाकिफ नहीं थे, यही उनके निरर्थक तर्कों की व्याख्या करता है। हालांकि, बंगाल कांग्रेस के हलकों का मानना है कि सरमा श्री गोगोई के तर्कों के आगे खुद को असहाय महसूस नहीं करेंगे। जाहिर है, अगर राजनीतिक नेता जिद करें, तो 'कविगुरु' रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित कुछ गीत विशेष अवसरों को छोड़कर नहीं गाए जा सकते। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने राज्य पुलिस को एक कांग्रेस नेता के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने का आदेश दिया है, जिसने कुछ दिन पहले राज्य के श्रीभूमि (करीमगंज) जिले में एक पार्टी समारोह में 'आमार सोनार बांग्ला' गाने का 'पाप' किया था। अपने फैसले की व्याख्या करते हुए, श्री सरमा ने कहा कि गायक को पता होना चाहिए था कि वह असल में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहा था! भारतीय धरती पर एक सभा में इसे गाना राज्य और देश दोनों का अपमान था। श्री सरमा के इस ऐलान से पहले ही इस तरह के मुद्दों पर विवाद खड़ा हो गया था। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तल्ख रिश्तों के अलावा, ऐसी कई रिपोर्टें सामने आई थीं जिनमें दावा किया गया था कि बांग्लादेश में सक्रिय इस्लामी चरमपंथी एक स्वतंत्र मुस्लिम गणराज्य बंगाल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल और भारत के पूर्वोत्तर के कुछ हिस्से भी शामिल होंगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि श्री शर्मा ने कहा कि चूंकि कांग्रेस अपने वोट बैंक - पूर्वोत्तर क्षेत्र में बसे बांग्लादेशी 'मियां' मुसलमानों - के समर्थन के लिए जानी जाती है, इसलिए कोई भी कांग्रेसी नेता असम में बांग्लादेशी राष्ट्रगान गाने पर आपत्ति नहीं करेगा। पूर्वोत्तर क्षेत्र की खुफिया एजेंसियां इस्लामी चरमपंथियों की एक बड़े 'स्वतंत्र' इस्लामी बंगाल बनाने की दीर्घकालिक योजनाओं से आम तौर पर वाकिफ थीं। उन्हें वर्तमान में तुर्की और पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था। भारत सरकार के हलकों में ज्यादा चिंता नहीं थी, लेकिन पिछले साल 8 अगस्त को अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस द्वारा बांग्लादेश सरकार के प्रमुख के

रूप में बांग्लादेश पर अप्रत्याशित कब्जा करने से पूर्वोत्तर की स्थिति में काफी बदलाव आया। अस्थायी मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए, डॉ. यूनुस ने पाकिस्तान, तुर्की और अमेरिका के साथ सांठगांठ करके भारत सरकार की सबसे बड़ी आशंकाओं की पुष्टि की। उन्होंने बांग्लादेश को भारत के पूर्वोत्तर में सबसे बड़ी शक्ति के रूप में पेश करने की कोशिश की और चीन और पाकिस्तान से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद की अपील की। इसके अलावा, उन्होंने भारत के साथ व्यापार और व्यवसाय की मात्रा कम कर दी, जबकि इस्लामी देशों के साथ संपर्क बढ़ाए। स्वाभाविक रूप से, भारत सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को नए रुझानों पर ध्यान देना पड़ा। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि इसी संदर्भ में श्री सरमा ने यह बात कही थी। भाजपा विरोधी दल मुख्यमंत्री के तर्क से कतई सहमत नहीं थे। सही हो या गलत, सरमा ने एक कट्टर मुस्लिम विरोधी और कट्टर राष्ट्रवादी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित कर ली है। राज्य कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि 1905 में बंगाल के पहले विभाजन के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान, टैगोर ने यह गीत लिखा था, जो बंगालियों और यहां तक कि दुनिया भर के कई भारतीयों के बीच एक शक्तिशाली भावनात्मक एकीकरण का सूत्रधार बन गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी बंगाल विभाजन का विरोध किया था। इसलिए इस ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण गीत को न गाने का कोई ठोस कारण नहीं हो सकता।बांग्लादेश की बात करें तो यह बहुत बाद में आया। समस्या यह थी कि श्री सरमा और उनके जैसे लोग स्वतंत्रता आंदोलन या बंगाल या अन्य जगहों पर कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे ब्रिटिश-विरोधी संघर्षों से वाकिफ नहीं थे, यही उनके निरर्थक तर्कों की व्याख्या करता है। हालांकि, बंगाल कांग्रेस के हलकों का मानना है कि सरमा श्री गोगोई के तर्कों के आगे खुद को असहाय महसूस नहीं करेंगे। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी 'आमार सोनार बांग्ला' गीत को लेकर एक गलती में शामिल रही थी। इसके अलावा, एक टीएमसी मंत्री का हाल असम के मुख्यमंत्री से भी कहीं ज्यादा बुरा हुआ, जब उन्होंने बांग्लादेश में ही एक आधिकारिक समारोह में 'आमार सोनार बांग्ला' गाने की कोशिश की। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी बांग्लादेश यात्रा पर संस्कृति मंत्री और एक गायक, श्री इंद्रनील सेन को भी साथ ले गई थीं। कुछ हद तक भावुक होकर, श्री सेन, जिनका परिवार बांग्लादेश से आया था, अपने दर्शकों से कभी-कभार बातचीत करते हुए भी, अचानक 'आमार सोनार बांग्ला' की कुछ पंक्तियां गाने लगे थे। इसके तुरंत बाद दर्शकों ने विरोध जताया। लोग खड़े हो गए और सेन के गीत को बीच में ही रोक दिया और बताया कि 'आमार सोनार बांग्ला' उनका राष्ट्रगान है। वे किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्ति को, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, बिना किसी गंभीरता के, उस गीत को यूं ही गाने की इजाजत नहीं दे सकते। धिक्कार पाकर, निराश सेन ने गाना बंद कर दिया और बैठ गए। पश्चिम बंगाल से आए गणमान्य लोगों के साथ-साथ उन्होंने भी सबक सीख लिया था।जहां तक श्री सरमा की बात है, उन पर टैगोर विरोधी होने का आरोप नहीं लगाया जा सकता, लेकिन उन्होंने कांग्रेस को बदनाम करने और यह साबित करने के एक संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य को हासिल करने की कोशिश की कि राज्य में उनकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेता 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले स्थानीय मियों को खुश करने के लिए पड़ोसी मुस्लिम देश का राष्ट्रगान गा रहे हैं। इस प्रक्रिया में, मुख्यमंत्री ने एक अनावश्यक विवाद खड़ा कर दिया है।

गांजा माफिया के लिए चित्रकूट बना ट्रांजिट रूट 80 किलो सूखे गांजे समेत चार तस्कर गिरफ्तार

- उड़ीसा से बांदा तक नशे की तस्करी
- लग्जरी कारों में थी नशे की सौदेबाजी
- एएनटीएफ व मारकुण्डी पुलिस का ऑपरेशन

अखंड भारत संदेश

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

चित्रकूट। नशे के कारोबार पर तगड़ा प्रहार करते हुए थाना मारकुण्डी पुलिस व एएनटीएफ प्रयागराज टीम ने संयुक्त कार्रवाई में 80 किलोग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर बांदा के रास्ते सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से दो लग्जरी गाड़ियां- महिन्द्रा बोलेरो और मारुति सियाज, साथ ही दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। मुखबिर से मिली सूचना पर एएनटीएफ प्रभारी दारोगा सत्येन्द्र प्रधान और मारकुण्डी प्रभारी निशिकान्त राय ने टीम बनाकर मनगवां गांव के पास जाल बिछाया। तेज रफ्तार में आती दोनों गाड़ियों को डोड़ा माफी मोड़ पर घेराबंदी कर रोक लिया गया। पूछताछ में चारों आरोपी- रवि शिवहरे, गंगाराम कुशवाहा, सत्यप्रकाश उर्फ सोनू शिवहरे और हरिशचन्द्र शिवहरे ने स्वीकार किया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर बांदा में बेचने का धंधा करते हैं। तलाशी में कारों की सीटों के नीचे बने गुप्त केबिन से भूरे टेप में पैक किए 40 पैकेट गांजा (कुल 80 किलोग्राम) बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर दोनों वाहनों को सीज करते हुए तस्करों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/20/29/60 में मुकदमा दर्ज किया है। चित्रकूट पुलिस की इस कामयाबी से मादक पदार्थों की अवैध सप्लाई करने वाले गिरोहों में हड़कंप मच गया है।

93 स्कोर के साथ ग्रामोदय ने सीएम हेल्पलाइन में मारी बाजी

बैठक में मौजूद ग्रामोदय विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

- ग्रामोदय यूनिवर्सिटी में डिजिटल क्रांति
- ऑनलाइन स्वीकृत होंगे अवकाश

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अब हर फाइल डिजिटल होगी और हर अवकाश ऑनलाइन स्वीकृत। मंगलवार को कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। समर्थ ई-जीओवी प्रणाली के तहत अब शिक्षकों और कर्मचारियों के अवकाश आवेदन ऑनलाइन माध्यम से ही प्राप्त और स्वीकृत होंगे। इसके लिए सभी विभागों की प्रोफाइल तैयार कर विभागीय ईमेल पर भेज दी गई है। कुलसचिव प्रो आरसी त्रिपाठी ने लॉगिन और स्वीकृति प्रक्रिया के दिशा-निर्देशों को कुलगुरु से अनुमोदित करवाते हुए कहा कि यह कदम विश्वविद्यालय को ई-गवर्नेंस के नए युग में ले जाएगा। बैठक में प्रो मिश्रा ने पदोन्नत शिक्षकों, कर्मचारियों और अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त कर्मियों को बधाई दी और विश्वास जताया कि सभी कर्मचारी भारत रत्न श्रद्धेय नानाजी देशमुख की ग्रामोदय संकल्पना को साकार करने में जुटे रहेंगे। कुलगुरु ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों के निराकरण में विश्वविद्यालय ने 93 वेटेज स्कोर के साथ प्रदेश में ग्रेड ए अर्जित की है, जो गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वविद्यालय स्टाफ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गुणवत्ता और समयबद्धता ही ग्रामोदय की पहचान बननी चाहिए। बैठक में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की संभावनाओं, आगामी परीक्षाओं की तैयारियों और नवंबर माह की कार्ययोजना को स्वीकृति दी गई।

चित्रकूट का स्पोर्ट्स स्टेडियम बनेगा चमकता सितारा- डीएम ने कमियों पर कसी लगाम

कोर्ट पर जांच करते डीएम

- डीएम ने लिया स्टेडियम का जायजा
- सिंथेटिक ट्रैक से दौड़ेगा नया चित्रकूट

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम चित्रकूट का औचक निरीक्षण कर खेल सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने खेल प्रशिक्षकों से मैदान, जिम हाल, बैडमिंटन हॉल, लॉन टेनिस कोर्ट और बॉक्सिंग रिंग की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सिंथेटिक ट्रैक निर्माण से संबंधित प्रगति रिपोर्ट भी मांगी और स्पष्ट निर्देश दिया कि स्टेडियम की जो भी कमियां हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कर खेल प्रेमियों के उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि खेल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक-बालिकाओं को हर संभव सुविधा और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उनकी प्रतिभा निखर सके। डीएम ने यह भी आदेश दिया कि स्टेडियम हेतु आवश्यक खेल उपकरणों और भौतिक सुविधाओं की सूची तुरंत तैयार कर प्रस्तुत की जाए, जिससे आगामी कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जा सके। डीएम गर्ग का यह निरीक्षण प्रशासन की उस मंशा को रेखांकित करता है, जिसमें चित्रकूट को खेलों की नई राजधानी बनाने का सपना पंख फैलाने लगा है।

सुषमा स्वरूप इंटरनेशनल स्कूल के नौनिहालों ने युवा उत्सव में लहराया विजय पताका

- गूंजी सृष्टि व आयुषी की आवाज
- प्रतिभा और तर्क का जलवा

युवा उत्सव पर मंच पर सम्मानित होते बच्चे

चित्रकूट। गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रांगण में शनिवार को युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा आयोजित विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के तहत जनपद स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभा का सुनहरा संगम देखने को मिला। जिलेभर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों ने जहां मंच पर रचनात्मकता की वर्षा की, वहीं सुषमा स्वरूप इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से सभी को चकित कर दिया।

भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं की छात्रा सृष्टि शुक्ला ने भारत में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा विषय पर अपने प्रभावशाली वक्तव्य से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि त्रिश्ना दीप सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन कर तृतीय स्थान पाया। इसी क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं की छात्रा आयुषी शुक्ला ने नशा-एक सामाजिक चुनौती विषय पर समाज को झकझोर देने वाला संदेश देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुषमा स्वरूप इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता ने विद्यालय का नाम रोशन किया और चित्रकूट के शिक्षा जगत में एक नई प्रेरणा की लहर दौड़ा दी।

राम की नगरी में हुआ वैश्य समाज का विराट समागम युवा व महिला शक्ति को मिलेगी अग्रसर भूमिका

- आर्थिक शक्ति से राष्ट्रीय एकता तक
- सशक्त भारत का संकल्प हुआ बुलंद

अखंड भारत संदेश

वैश्य समाज के सम्मेलन में मौजूद अतिथिगण

चित्रकूट। पौराणिक और ऐतिहासिक धरती चित्रकूट बुधवार को वैश्य समाज की एकता और शक्ति का साक्षी बनी। होटल राम कृपा इन कर्वी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के विस्तार और प्रदेश स्तरीय सम्मेलन को लेकर रणनीति तय की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष बृज किशोर गुप्ता, प्रदेश युवा अध्यक्ष अमित वार्ष्णेय, प्रदेश महामंत्री शिवकुमार सोनी का प्रथम नगर आगमन पर भव्य स्वागत हुआ। अपने उद्बोधन में बृज किशोर गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती का स्तंभ है। यदि हम संगठित रहें, तो कोई भी शक्ति हमारी प्रगति को रोक नहीं सकती। शिवकुमार सोनी ने संगठन के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि वैश्य समाज के सभी उपवर्गों को एकजुट कर संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा। वहीं युवा अध्यक्ष अमित वार्ष्णेय ने घोषणा की कि जल्द ही चित्रकूट में युवा और महिला शाखा का प्रांतीय अधिवेशन आयोजित होगा, जिससे समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा और युवाओं व महिलाओं को राजनीति में अधिक भागीदारी का अवसर मिलेगा। चित्रकूट अध्यक्ष विवेक अग्रवाल, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल और चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता ने आश्वासन दिया कि वे इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएंगे और चित्रकूट से देशभर में एकता व समरसता का संदेश भेजेंगे। कार्यक्रम में राजीव अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, समर्थ सिपौलिया, सौरभ गुप्ता, अमित सोनी, मृदुल निखरा, शकुंतला गुप्ता, शैलेंद्र सोनी, विकास केसरवानी, अनुज निगम, अतुल कुमार, आयुष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, युवा और महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री केशव शिवहरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन शुभम केशरवानी ने किया। अंत में पूरे सभागार में एक स्वर गूंजा- एकजुट वैश्य समाज, सशक्त भारत का आधार।

संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना से चमकेगा भविष्य, बच्चों को 2,500 से अधिक की मदद

31 दिसम्बर तक करें आवेदन

चित्रकूट। श्रम विभाग ने पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए राहत और प्रोत्साहन से भरी बड़ी घोषणा की है। अब संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मजदूर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के हर पड़ाव पर आर्थिक सहायता का लाभ मिलेगा। श्रमिक कल्याण अधिकारी के अनुसार, जो भी श्रमिक अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं, वे 31 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। प्राथमिक से लेकर उच्च कक्षाओं तक अध्ययनरत बच्चों को 2,500 रुपए से लेकर क्रमशः अधिक कक्षाओं के अनुसार सहायता राशि दी जाएगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करना और उनकी शिक्षा में आर्थिक बाधाएं दूर करना है। विभाग ने बताया कि आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है, जिसके बाद पात्र छात्रों के खाते में सीधे राशि प्रेषित की जाएगी। अधिकारियों ने सभी पात्र श्रमिकों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन कर इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

मानिकपुर में ट्रेन से टकराए गौवंश, प्रेशर पाइप लीक, घंटों जाम रहा रेल यातायात

चित्रकूट। मानिकपुर क्षेत्र में बुधवार को रेलमार्ग पर अफरातफरी मच गई, जब झांसी-प्रयागराज रेलखंड पर दौड़ रही कानपुर-मानिकपुर मेमो ट्रेन चार गौवंशों की चपेट में आ गई। घटना इतनी अचानक हुई कि चालक के आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद टक्कर टल न सकी। हादसे में चारों गौवंश मौके पर ही बुरी तरह घायल हो गए, जबकि ट्रेन का प्रेशर पाइप फटने से इंजन ठप पड़ गया। इस कारण ट्रेन लगभग दो घंटे तक ट्रैक पर खडी रही, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने तो अपना सफर बीच रास्ते से पैदल ही तय किया। लोगों ने बताया कि ट्रेन पहले से ही एक घंटे की देरी से चित्रकूट धाम कर्वी स्टेशन से रवाना हुई थी और ओहन स्टेशन के पास पोल संख्या 1415/4 पर हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन हरकत में आया और कर्वी स्टेशन से एक अतिरिक्त इंजन रवाना कर ट्रेन को मानिकपुर तक पहुंचाया गया। इस दौरान झांसी रोड से गुजरने वाली ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस और चित्रकूट-कानपुर इंटरसिटी सहित कई ट्रेनें प्रभावित रहीं। हादसे के बाद रेलवे अधिकारियों ने ट्रैक की जांच कर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

कहीं राजनीतिक साजिश का शिकार तो नही हुआ आदिवासी श्यामलाल कोल, संदिग्ध मौत

- प्रधानी चुनाव में खुद को बताया उम्मीदवार
- मौत या राजनीति की कालिख?

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मारकुंडी क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक दलित किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। मृतक की पहचान श्यामलाल कोल के रूप में हुई है, जो तालाब किनारे अपनी पत्नी के साथ छोटे से घर में रहता था और दूसरों की अधिया जमीन पर खेती कर अपने परिवार का पालन करता था। परिश्रमी और सरल स्वभाव के श्यामलाल ने हाल ही में गांव में ऐलान किया था कि वह आगामी प्रधानी चुनाव लड़ेगा। उसके इस इरादे से गांव के कई प्रभावशाली लोगों की भौंहें तन गई थीं, क्योंकि कोल समाज में श्यामलाल का नाम सम्मान और प्रभाव दोनों रखता था। गांव के जानकारों का कहना है कि श्यामलाल का उभार स्थानीय राजनीति के समीकरणों को हिला सकता था। यही कारण है कि उसकी रहस्यमयी मौत को चुनावी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। परिजनों ने साफ तौर पर हत्या की आशंका जताई है और न्याय की मांग की है। वहीं श्यामलाल ने खुद को इस बार के प्रधानी चुनाव में उम्मीदवार होने की चर्चा भी की थी। पुलिस से संपर्क करने का प्रयास किया गया, परंतु थानाध्यक्ष का मोबाइल रीचेबल नहीं बताता रहा। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है क्या श्यामलाल की मौत महज एक हादसा है, या फिर सत्ता के गलियारों में रची गई एक खामोश साजिश का अंजाम? मारकुडी की मिट्टी में अब जवाब खोजे जा रहे हैं।

सवालों के घेरे में रहस्मयी मौत

मारकुंडी के कई आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्यामलाल की अचानक हुई मौत ने पूरे इलाके और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। राजनीतिक पहुँच और संबंधों में खासे प्रभावशाली माने जाने वाले, स्वयं को पढ़ा-लिखा और जागरूक बताने वाले श्यामलाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत अब गहरे सवाल खड़े कर रही है। हर चुनाव में तमाम प्रत्याशी समर्थन पाने के लिए श्यामलाल के दरवाजे पर दस्तक देना नहीं भूलते थे। ऐसे में राजनीतिक सरगर्मियों और उनके संपर्कों को देखते हुए उनकी रहस्यमयी मौत किसी न किसी गहरी साजिश की बू दे रही है। अब यह जांच का विषय है कि यह मौत महज एक हादसा थी या फिर किसी सोची-समझी राजनीतिक चाल का नतीजा?

बाइक की टक्कर से घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के लोढ़वारा में सड़क पार करते समय हुए हादसे में घायल 65 वर्षीय जवाहरलाल पुत्र नत्थू की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। 14 अक्टूबर को बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए जवाहरलाल को पहले सोनेपुर जिला अस्पताल और फिर प्रयागराज रेफर किया गया था। हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें वापस लोढ़वारा ले आए, जहां रात में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन फिर उन्हें जिला अस्पताल ले गए, लेकिन सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। हादसे से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मानिकपुर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की बिगुल, घर-घर पहुंचे गणना पत्र

ग्रामीणों के साथ एसडीएम राम ऋषि रमन

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत 2025 की मतदाता सूची के बृहद गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र में शुरू हो गई है। ग्राम मेदाना में आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी राम ऋषि रमन, तहसीलदार रामसुधर और बीएलओ अरविंद की मौजूदगी में गणना पत्रकों का वितरण आरंभ किया गया। मतदाताओं में नई ऊर्जा और जागरूकता का माहौल देखने को मिला। प्रशासन का उद्देश्य है कि एक भी पात्र नागरिक मतदान से वंचित न रहे और लोकतंत्र का हर वोट सही गिनती में दर्ज हो।

भारत ने मिलाया तालिबान को फोन, 2 तरफ से घेरा गया पाकिस्तान

पाकिस्तान

पाकिस्तान को पहली बार एक ही समय पर भारत और अफगानिस्तान ने दो तरफ से घेर लिया है। पाकिस्तान के दोनों तरफ भारत और अफगानिस्तान की सेनाओं का भयंकर मूवमेंट शुरू हो गया है। सुबह दोपहर, रात तीनों समय गोलाबारी की जा रही है। यह सामान्य घटना नहीं है। यह नया बवाल क्या शुरू हुआ है? पाकिस्तान ने घबराहट में हजारों लोगों को अपने देश से क्यों निकाल दिया है। दरअसल अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मजारे शरीफ के पास सोमवार को सुबह 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप में 20 से ज्यादा लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हो गए। लेकिन इस भूकंप के बाद जो हुआ उसने भारत और पाकिस्तान के बीच फर्क दिखा दिया है। एक तरफ भारत वो पहला देश बन गया जिसने अफगानिस्तान में मदद भेजी लेकिन दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 40

से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को अपने देश से धक्के मारकर निकाल दिया। यह सब कुछ उसी वक्त हुआ जब अफगानिस्तान में भूकंप आया।

पाकिस्तान की यह घटिया हरकत देख अफगानिस्तान के लोगों ने यह लिखना शुरू कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान में क्या फर्क है वो इस तस्वीर में देख लीजिए। भारत हमारे साथ है और पाकिस्तान हमारे खिलाफ। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी को फोन मिला दिया और हर संभव सहायता देने की बात कह दी। यानी जिस वक्त भारत अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा है उसी वक्त पाकिस्तान अपने देश से हजारों अफगान शरणार्थियों को धक्के मारकर निकाल रहा है। लाखों पाकिस्तानियों ने भूकंप में मारे गए अफगानियों का मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है। पाकिस्तानी बोल रहे हैं कि अफगानिस्तान के लोग गद्दार हैं। यह भारत के साथी हैं। इन्हें तो ऐसे ही मरना चाहिए। इतना सुनते ही अफगानिस्तान के लोगों ने ऐलान कर दिया कि वह अब भारत के साथ ही रहेंगे। देखिए किस तरह से अफगानिस्तान की जनता भारत के विदेश मंत्री और भारत को शुक्रिया कह रही है। एक यूजर ने लिखा कि थैंक यू डॉक्टर साहब। आपकी बातों और रुख ने एक बार फिर अफगानिस्तानियों का दिल जीत लिया है।

दूसरे ने लिखा कि हमारी मदद करने के लिए थैंक यू इंडिया। तीसरे अफगानी यूजर ने लिखा कि हमारा पूरा परिवार भारत के प्रति आभारी है। डॉक्टर एस जयशंकर और भारत जैसे देश ने हर कठिन वक्त में अफगानिस्तान के साथ खड़े होकर जो किया है उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। आखिर में एक अफगानी ने लिखा कि भारत बचाता है तो पाकिस्तान मारता है। जिस वक्त यह सब कुछ हो रहा है उसी वक्त पाकिस्तान को दो तरफ से घेर लिया गया है। भारत और अफगानिस्तान ने एक ही साथ पाकिस्तान की सीमा पर भयंकर गोलाबारी शुरू कर दी है। भारत और अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सीमाओं के पास बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किए हैं।

भारत ने तो राजस्थान और गुजरात समेत देश के कई हिस्सों में त्रिशूल नाम से एक ट्राई मिलिट्री एक्सरसाइज को शुरू कर दिया है।

जयशंकर न पश्चिम एशिया को लेकर कौन-सी बड़ी चाल चल दी है?

पश्चिम एशिया

भारत की विदेश नीति ने इस सप्ताह पश्चिम एशिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम बढ़ाया। 3 नवंबर को भारतझबहरीन उच्च संयुक्त आयोग की पाँचवीं बैठक नई दिल्ली में हुई, जिसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजायानी ने की। इसके तुरंत अगले दिन यानि 4 नवंबर को इजराइल के विदेश मंत्री भारत पहुंचे। यह उनकी भारत यात्रा का पहला अवसर था।

दोनों बैठकों के केंद्र में भारत की संतुलित और बहु-आयामी पश्चिम एशिया नीति स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जयशंकर ने दोनों अवसरों पर अपने वक्तव्यों में यह रेखांकित किया कि भारत अब केवल ऊर्जा या व्यापार साझेदार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक सहयोगी और स्थिरता के सहभागी के रूप में क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

भारतझबहरीन संबंध को देखें तो दोनों देशों के रिश्ते सदियों पुराने हैं। अरब सागर के जलमार्गों से आरंभ हुआ यह रिश्ता अब रक्षा, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, संस्कृति और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों तक फैल चुका है।

5वीं उच्च संयुक्त आयोग बैठक में दोनों देशों ने रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, फिनटेक, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्रों में नए आयाम जोड़े। जयशंकर ने अपने भाषण में बहरीन को ऋछउ का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और भारतझऋछउ साझेदारी को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भारत और बहरीन ह्लसाझा क्षेत्रीय स्थिरता और शांतिह्व के लक्ष्य में एकमत हैं।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों के बीच $1.64 बिलियन का द्विपक्षीय व्यापार दर्ज किया गया है और अब एक दिशा में भी काम हो रहा है। साथ ही, दोनों देशों ने की पहल की, जिससे निवेश और व्यापार को नई गति मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह रही कि भारत ने बहरीन में तीन नौसैनिक जहाजों की तैनाती (सितंबर 2025) का उल्लेख करते हुए क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह संदेश केवल खाड़ी क्षेत्र को नहीं, बल्कि हिंद महासागर से सटे भू-राजनीतिक परिदृश्य को भी दिया गया।

1100 सैनिकों की मौत, पाकिस्तान को लेकर ये क्या चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया

पाकिस्तान

पाकिस्तान के लिए मुसीबतें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही। इस साल पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को पीटा तो उसके बाद वेस्टर्न बॉर्डर्स पर तालीबान की सरकार वाली अफगानिस्तान ने उनका बुरा हाल कर रखा है। इसके बीच पाकिस्तान के अंदर उठ रही बगावत की आवाज ने भी उनकी कमर तोड़ दी है। इन सबके बीच पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा तंत्र से जुड़ा एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जिसने बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान की पोल खोल दी है। दरअसल साल 2025 पाकिस्तान के लिए सबसे बुरा साल साबित हो रहा है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार पाकिस्तान को इतनी भारी क्षति हुई है। खुफिया एजेंसियों के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल में जनवरी से लेकर अक्टूबर तक पाकिस्तान के कुल 1100 से ज्यादा सैनिक, पुलिसकर्मी और खुफिया अधिकारी मारे गए।

बिना जुर्म किये 43 साल जेल में काटकर रिहा हुआ 104 साल का बुजुर्ग

अमेरिक

दो अमेरिकी अदालतों ने सुब्रमण्यम "सुबू" वेदम के निर्वासन को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया है, जिनकी हत्या के गलत दोषसिद्धि को इस साल की शुरूआत में 43 साल से ज्यादा जेल में रहने के बाद पलट दिया गया था। एक आव्रजन न्यायाधीश ने वेदम के निर्वासन पर तब तक के लिए रोक लगा दी है जब तक कि आव्रजन अपील बोर्ड (बीआईए) यह तय नहीं कर लेता कि उनके मामले की समीक्षा की जाए या नहीं, इस प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। उसी दिन, पेंसिल्वेनिया स्थित अमेरिकी ज़िला न्यायालय ने

भी निर्वासन पर अस्थायी रोक लगा दी, हालाँकि बीआईए द्वारा अपील पर विचार किए जाने तक यह मामला स्थगित रह सकता है।

बचपन से ही अमेरिका में जीवन वेदम सिर्फ. नौ महीने का था जब वह भारत से अपने माता-पिता के साथ कानूनी तौर पर अमेरिका पहुँचा। वह पेंसिल्वेनिया के स्टेट कॉलेज में पला-बढ़ा, जहाँ उसके पिता पेन स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे। एक कानूनी स्थायी निवासी, वेदम का नागरिकता आवेदन कथित तौर पर 1980 में अपने दोस्त थॉमस किन्सर की हत्या के सिलसिले में 1982 में उसकी गिरफ्तारी से पहले स्वीकार कर लिया गया था। वह किन्सर के साथ देखा गया आखिरी व्यक्ति था और गवाहों या मकसद की कमी के बावजूद, उसे दो बार हत्या का दोषी ठहराया गया था।

नए सबूत सामने आने के बाद दोषसिद्धि रद्द

अगस्त में पेंसिल्वेनिया के एक न्यायाधीश ने वेदम की दोषसिद्धि रद्द कर दी।

सुप्रीम कोर्ट में बड़ा धमाका, बेसमेंट के ब्लास्ट से ऊपर तक उड़े चीथड़े

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट में हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट कैफेटेरिया में एक गैस सिलेंडर फट गया, जिससे पूरी इमारत हिल गई। इस विस्फोट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की इमारत को मामूली नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि जोरदार धमाका कोर्ट परिसर की निचली मंजिलों तक गूँज उठा, जिससे इमारत

के अंदर दहशत फैल गई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के बाद वकीलों और अदालत के कर्मचारियों को इमारत से बाहर निकालकर बाहर खुले क्षेत्रों में ले जाया गया।

हिंदू विरोधी माहौल को बढ़ा रहे वेंस, भारतवंशी सांसद कृष्णमूर्ति ने साधा निशाना

अमेरिका

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया बयान की निंदा की है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह निराशाजनक है कि उपराष्ट्रपति अपने बयान से देश में बढ़ते एंटी हिंदू माहौल को और बढ़ावा दे रहे हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि जब हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदाय बढ़ते पूर्वाग्रह का सामना कर रहे हैं, तो उपराष्ट्रपति का यह बयान निराशाजनक है। वेंस ने अपनी हिंदू पत्नी उषा वेंस की धार्मिक आस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी

चर्च से प्रभावित होंगी। वेंस ने बाद में स्पष्ट किया था कि उनकी पत्नी का धर्म परिवर्तन का कोई इरादा नहीं है।

वेंस की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह मिसिसिपी विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में आई थी, जब एक दक्षिण एशियाई युवती ने उनसे उनकी आस्था और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के साथ-साथ आव्रजन पर ट्रंप प्रशासन की नीतियों के बारे में सवाल किए थे। उनके प्रश्न का उत्तर देते हुए वेंस ने कहा कि अधिकांश रविवार को उषा उनके साथ चर्च जाती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उससे कहा है, और मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है, और मैं अब अपने 10,000 करीबी दोस्तों के सामने भी कहूंगा, क्या मैं आशा करता हूं कि अंततः वह भी उसी तरह प्रभावित होंगी जिस तरह मैं चर्च से प्रभावित हुआ था? हां, मैं ईमानदारी से यही चाहता हूं, क्योंकि मैं ईसाई धर्मसिद्धांत में विश्वास करता हूं, और मैं आशा करता हूं कि अंततः मेरी पत्नी भी इसे उसी तरह देखेंगी। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करती है, तो ईश्वर कहते हैं कि हर किसी के पास स्वतंत्र इच्छाशक्ति होती है, और इसलिए इससे मुझे कोई समस्या नहीं होती। यह ऐसी चीज है जिसे आप अपने दोस्तों, अपने परिवार और उस व्यक्ति के साथ मिलकर सुलझाते हैं जिससे आप प्यार करते हैं। हालांकि, उसी हफ्ते बाद में वेंस ने कहा कि उनकी पत्नी की धर्म परिवर्तन करने की कोई योजना नहीं है।

फ्रांस ने ठोका सलाम, हिल गए तुर्किए-चीन-पाकिस्तान

फ्रांस

एक खबर ने दुनिया के तीन बड़े देशों चीन, तुर्की और पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी। भारत के सबसे भरोसेमंद दोस्त फ्रांस ने भारत को लेकर एक ऐसा बयान दिया जिसने साबित कर दिया कि राफेल उड़ाने वालों की क्षमता को कम आकना अब किसी भी देश के बस की बात नहीं। दरअसल फ्रांस की डिफेंस रिसर्च एजेंसी एफआरएस यानी फ्रांस रिसर्च स्ट्रेटेजिक रिपोर्ट ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा कि भारत के बाल्टो की कॉम्बैट प्रोफिशिएंसी यानी युद्ध कौशल का मुकाबला चीन, तुर्की या पाकिस्तान कोई नहीं कर सकता। रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़ाकू विमान की ताकत सिर्फ उनकी जनरेशन से तय नहीं होती बल्कि एयर सिक्योरिटी यानी युद्ध में सिद्ध कुशलता से होती है। चीन अपने फिफ्थ जनरेशन फाइटर जेट यानी कि ख20 को लेकर दावा कर रहा। पाकिस्तान जो खुद बना नहीं सकता वो भी मेड इन चाइना फाइटर जेट को फिफ्थ जनरेशन बताकर सेखी बगा रहा है और तुर्की वो भी अपने कान फाइटर जेट को लेकर आसमान छू रहा है।

54 साल पुराना रिश्ता... जयशंकर ने अलजायानी से निवेश, रक्षा पर की बात

अमेरिका

बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजायनी भारत दौरे पर हैं। दिल्ली में भारत और बहरीन के विदेश मंत्रियों की सह अध्यक्षता के तहत दोनों देशों के बीच साझे हाई जॉइंट कमीशन की बैठक हुई। इस दौरान जारी हुए साझा बयान में दोनों पक्षों ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी भर्त्सना की। क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म से लड़ाई को इंटेलीजेंस शेयरिंग, कैपिसिटी बिल्डिंग और साइबर सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने डिफेंस और सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। इस बात पर भी सहमति हुई कि सितंबर में नेवी के तीन जहाजों के बहरीन आने से मेरिटाइम सिक्योरिटी और गहरी हुई है। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस अग्रीमेंट में हो रही वाताओं में प्रगति को सराहा। दोनों विदेश मंत्रियों ने डिफेंस, सिक्योरिटी, अर्थव्यवस्था, व्यापार, फिनटेक, स्पेस, कल्चर और पीपल टू पीपल संबंधों को लेकर प्रगति को सराहनीय करार दिया। दोनों पक्षों ने माना कि चौथे जॉइंट कमिशन के दौरान व्यापार और निवेश को लेकर बने जॉइंट वर्किंग ग्रुप के अलावा इकॉनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट की वाताएँ अहम हैं। इसके साथ जयशंकर ने अगले महीने जीसीसी समिट को लेकर सहयोग की भी बात की।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि हाल के वर्षों में भारत और बहरीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि देखी गई है। नई दिल्ली में आयोजित पाँचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की बैठक में अपने उद्घाटन

भाषण में, डॉ. जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, स्वास्थ्य, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश में उल्लेखनीय प्रगति देखी है। उन्होंने बहरीन के नागरिकों की यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा (ई-वीजा) प्रणाली की शुरूआत पर जोर दिया। उन्होंने बहरीन के निवेशकों को देश में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने अगले महीने मनामा में होने वाले खाड़ी सहयोग परिषद के शिखर सम्मेलन में बहरीन द्वारा अध्यक्षता संभालने के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी दीं। डॉ. जयशंकर ने कहा कि इस वर्ष सितंबर में तीन भारतीय नौसैनिक जहाजों ने बहरीन का दौरा किया, जिससे द्विपक्षीय मैत्री और क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को बल मिला। उन्होंने भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए निरंतर देखभाल और समर्थन के लिए बहरीन साम्राज्य के नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बोलते हुए, बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी ने कहा कि बहरीन और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंध लगभग पाँच हजार साल पुराने हैं, जिनकी जड़ें व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि ये आर्थिक संबंध इस रिश्ते के केंद्र में हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

असीम मुनीर के लिए अब संविधान संशोधन की तैयारी में शहबाज सरकार

पाकिस्तान

पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल असीम मुनीर देश की सबसे ताकतवर शख्सियत हैं। इस बात का अंदाजा इस बात से भी आप लगा सकते हैं कि पहलगाम हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद व्हाइट हाउस में पाकिस्तान की तरफ से फील्ड मार्शल मुनीर ट्रंप से मिलने पहुंचे थे। आमतौर पर किसी भी मुल्क का प्रधानमंत्री या प्रथम नागरिक ही अपने देश की ओर से दूसरे देश के राष्ट्राध्यक्ष से मुलाकात करता है। लेकिन पाकिस्तान के मामले में कहानी थोड़ी अलग हो जाती है। अब पाकिस्तान एक ऐसा कदम उठाने जा रहा है जिससे पहले से ही सेना के आगे कठपुतली बनी सरकार से और भी ज्यादा ताकतवर फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हो जाएंगे। पाकिस्तान ने एक विवादास्पद संवैधानिक संशोधन को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस संशोधन को व्यापक रूप से मुनीर की स्थिति और शक्ति को सुरक्षित रखने के लिए डिजाइन किया गया माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि दुनिया और खुद पाकिस्तान को 27वें संविधान संशोधन की योजनाओं के बारे में पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी के एक ट्वीट के जरिए पता चला। बिलावल ने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संवैधानिक संशोधन पर समर्थन के लिए उनकी पार्टी से संपर्क किया है।

संविधान संशोधन पर विचार

प्रस्तावित संशोधनों में संवैधानिक न्यायालयों और न्यायाधीशों के स्थानांतरण से संबंधित प्रावधान शामिल हैं, लेकिन

अनुच्छेद 243 में बदलावों का उल्लेख चिंता का विषय है। अनुच्छेद 243 पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की कमान और नियंत्रण से संबंधित है। संविधान कहता है, संघीय सरकार का सशस्त्र बलों पर नियंत्रण और कमान होगी। हालाँकि शरीफ सरकार ने इस कदम को लेकर गोपनीयता बरती है, अनुच्छेद 243 में संशोधन के प्रस्ताव को आसिम मुनीर की स्थिति और शक्ति को सुरक्षित करने के एक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि इससे नागरिक मामलों में सेना का दबदबा और बढ़ेगा। हालांकि, ऐसे देश में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है जहाँ सेना लंबे समय से नागरिक शासन पर हावी रही है। इस साल की शुरूआत में, भारत के साथ तीन दिनों की शत्रुता में पाकिस्तान को भारी नुकसान होने के कुछ हफ़्ते बाद, मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था - अयूब खान के बाद यह पद पाने वाले वे दूसरे सेना प्रमुख बने। खान ने सैन्य तख्तापलट के बाद खुद को इस पद पर नियुक्त किया था। पिछले साल, एक विवादास्पद कदम के तहत, पाकिस्तान के सेना प्रमुखों का कार्यकाल तीन साल से बढ़ाकर पाँच साल कर दिया गया था। 64 साल की आयु सीमा भी हटा दी गई थी। हालाँकि, फील्ड मार्शल के पद को वर्तमान में पाकिस्तान के संविधान में कोई कानूनी दर्जा प्राप्त नहीं है, जिससे मुनीर का भविष्य अस्पष्ट है। आधिकारिक तौर पर, मुनीर कुछ हफ़्ते बाद, इसी साल 28 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अब, अनुच्छेद 243 में संशोधन को लेकर हो रही चर्चा को मुनीर को एक सुरक्षित और विस्तारित पद प्रदान करने के रूप में देखा जा रहा है। भू-राजनीतिक विश्लेषकों और यहां तक कि पाकिस्तान के भीतर से भी उठ रही आवाजों ने प्रस्तावित कदम को संवैधानिक आवरण के तहत सैन्य प्रभाव को मजबूत करने का एक प्रयास बताया है और कहा है।